आज का सुविचार

शिक्षक एक मोमबत्ती के समान है जो स्वयं जलकर दूसरों को प्रकाश देता है।
- टैगोर

दैनिक
इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेवलपमेंट सेंटर न्यूज

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस | 2018 में स्थापित | ITDCNEWS.COM

आरएनआई नं. MPHIN/2018/77221
डाक पंजीयन नं. MP/BHOPAL/4-504/2020-22

वर्ष-5 अंक-17 भोपाल, रविवार 28 नवम्बर, 2021, पृष्ठ-8, मूल्य-2 रुपए

ITDC पंचांग

मार्गशीर्ष कृष्णा अष्टमी, रविवार 22 विक्रम, संवत 2078

ITDC मौसम

सूर्योदय/सूर्यास्त	6:42/5:34
वर्षा/बादल %	00 %
नमी %	25 %
वायु (किमी/घं.)	10
तापमान प्रातः/रात्रि (डिग्री से.)	

ITDC स्वर्ण दर 24 कैरेट

प्रति 10 ग्राम/1तौला

₹ 49,300

बरनाला में पंजाब के सीएम चन्नी के खिलाफ प्रदर्शन; बेरोजगार टीचर्स पर लाठीचार्ज

पंजाब। पंजाब के बरनाला में शनिवार दोपहर बेरोजगार अध्यापकों और एनएचएम कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी का जबरदस्त विरोध किया। अपनी मांगों के समर्थन में और पंजाब सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए प्रदर्शनकारी नेशनल हाईवे पर बैठ गए। पुलिस ने इन लोगों को सड़क से हटाने की कोशिश की, जिसके बाद दोनों पक्षों में हाथापाई और धक्कामुक्की हो गई। प्रदर्शनकारियों को हटाने के लिए पुलिस को हल्का-फुल्का लाठीचार्ज भी करना पड़ा।

बेंगलुरु से पटना जा रही गो फर्स्ट की फ्लाइट की नागपुर में इमरजेंसी लैंडिंग

बेंगलुरु। बेंगलुरु से पटना जा रही गो फर्स्ट की फ्लाइट ने नागपुर में इमरजेंसी लैंडिंग की है। जानकारी के मुताबिक उड़ान के दौरान विमान के इंजन में खराबी का पता चला था। अलार्म सिग्नल आने पर पायलट ने एहतियात के तौर पर विमान के एक इंजन को बंद कर दिया। इसके बाद फ्लाइट को नागपुर डायवर्ट कर दिया गया, जहां उसकी इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। विमान में 139 यात्री सवार थे। गो फर्स्ट की फ्लाइट नंबर G8 873 ने बेंगलुरु से पटना के लिए उड़ान भरी थी।

एयरसेल मैक्सिस केस में पी चिदंबरम और उनके बेटे कार्ति चिदंबरम को समन

नईअदिल्ली। एयरसेल मैक्सिस केस में दिल्ली की अदालत ने पूर्व केंद्रीय मंत्री पी चिदंबरम, उनके बेटे कार्ति चिदंबरम और अन्य को समन जारी किया है। कोर्ट ने इस मामले में जांच एजेंसियों की ओर से दायर चार्जशीट पर संज्ञान लेते यह यह समन भेजा है।

नए कोरोना वैरिएंट से दहशत : इमरजेंसी मीटिंग में पीएम मोदी ने कहा-

इंटरनेशनल फ्लाइट्स शुरू करने के फैसले का रिव्यू करें, इस बार कोई चूक ना हो

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

साउथ अफ्रीका में मिले कोरोना के नए वैरिएंट ओमिक्रॉन के डर से दुनियभार में प्रतिबंध लगने शुरू हो गए हैं। इसी वैरिएंट पर चर्चा के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को अफसरों की एक इमरजेंसी मीटिंग बुलाई। उन्होंने कहा कि नए वैरिएंट को लेकर हमें अभी से अलर्ट होने की जरूरत है। उन्होंने अधिकारियों से यह भी कहा कि अंतरराष्ट्रीय यात्राओं में छूट देने की जो योजनाएं हैं, उनकी फिर से समीक्षा भी की जानी चाहिए। मोदी की अध्यक्षता में यह बैठक ऐसे समय बुलाई गई है, जब अफ्रीका में मिले कोरोना के नए वैरिएंट को लेकर दुनियाभर के देश डर गए हैं। दक्षिण अफ्रीका के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंफेक्शियस डिजीज ने बताया- देश में इस वैरिएंट के अब तक 22 केस मिले हैं। वैज्ञानिकों ने इसे क्क1.1.529 नाम दिया है। इसे वैरिएंट ऑफ सीरियस कंसर्न बताया है।

केजरीवाल की केंद्र सरकार से मांग

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने उन देशों से फ्लाइट पर रोक लगाने की मांग की है, जो कोरोना के नए वैरिएंट से प्रभावित हैं। केजरीवाल ने कहा कि बड़ी मुश्किल से हमारा देश कोरोना से उबर पाया है। हमें इस नए वैरिएंट को भारत में आने से रोकने के लिए हर संभव प्रयास करना चाहिए।

भारत ने भी उठाए सख्त कदम

हॉन्गकॉन्ग, बोत्सवाना और इजराइल से आने वाले यात्रियों की जांच के लिए सभी एयरपोर्ट्स को निर्देश दिए गए हैं। केंद्र सरकार ने राज्यों को विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। राज्यों से कहा गया है कि वे दक्षिण अफ्रीका, हॉन्गकॉन्ग, बोत्सवाना और इजराइल से आने वाले यात्रियों की अच्छी तरह से जांच करें। किसी भी तरह की लापरवाही न बरतें।

राज्यों और ञ्जह्य को लिखे एक लेटर में हेल्थ सेक्रेटरी राजेश भूषण ने कहा- पॉजिटिव पाए जाने वाले सैंपल्स को तुरंत जीनोम सीक्वेंसिंग लैबोरेटरी में भेजा जाए। देश के नेशनल सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल ने भी इस वैरिएंट को लेकर आगाह किया है।

अभी तक कहां-कितने केस मिले हैं?

सबसे पहले दक्षिण अफ्रीका में इस वैरिएंट के केस मिले थे। वहां अब तक इस वैरिएंट से 77 लोग इंफेक्ट हो गए हैं। बोत्सवाना में भी 4 लोग इस वैरिएंट से इंफेक्टेड मिले हैं। चिंता वाली बात ये है कि बोत्सवाना में पूरी तरह वैक्सीनेटेड लोग भी इसकी चपेट में आ गए हैं। साथ ही हॉन्ग कॉन्ग में भी इस नए वैरिएंट के 2 केस मिले हैं। फिलहाल दोनों मरीजों को आइसोलेशन में रखा गया है और निगरानी की जा रही है। इजराइल में भी इस वैरिएंट से इंफेक्टेड एक केस की पुष्टि हुई है। इंफेक्टेड व्यक्ति दक्षिण अफ्रीकी देश मलावी से लौटा है।

क्या वैक्सीन इस पर असर नहीं करेगी?

ऐसा माना जा रहा है। चूंकि वैक्सीन को चीन में मिले वायरस के हिसाब से बनाया गया है, लेकिन ये स्ट्रैन उस मूल वायरस से अलग है। हो सकता है कि इस वैरिएंट पर वैक्सीन इफेक्टिव न हो। इफेक्टिव हो भी तो उसकी एफिकेसी कम हो सकती है। हालांकि, इस बारे में अभी कुछ भी पुख्ता जानकारी नहीं है।

साउथ अफ्रीकन वैरिएंट को लेकर मोदी की 6 हिदायतें

- नए वैरिएंट के लिए हमें अभी से तैयारी की जरूरत।
- जिन इलाकों में ज्यादा केस आ रहे हैं, वहां पर निगरानी और कंटेनमेंट जैसी सख्ती जारी रखी जाए।
- लोगों को और ज्यादा सतर्क होने की जरूरत है। मास्क और सोशल डिस्टेंसिंग जैसी चीजों का पालन सही तरह से किया जाए।
- अंतरराष्ट्रीय यात्राओं में छूट देने की योजना की समीक्षा की जाए।
- कोरोना वैक्सीन की दूसरी डोज की कवरेज बढ़ाने पर फोकस करना चाहिए।
- राज्यों को इस बात पर ध्यान देना होगा कि जिन्हें पहली डोज मिल गई है, उन्हें दूसरी डोज समय पर दे दी जाए।

मप्र की मानसी 10 मीटर क्वालीफायर राउंड में टॉप पर

गृह मंत्री मिश्रा ने दी बधाई

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

64वीं राष्ट्रीय शूटिंग चैंपियनशिप (रायफल) के पहले दिन 10 मीटर एयर रायफल के क्वालीफाइ राउंड में ही कड़ी टक्कर देखने को मिली है। हालांकि इस प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश की मानसी सुधीर सिंह ने कमाल कर दिखाया है। मानसी सुधीर सिंह 10 मीटर क्वालीफायर राउंड में टॉप पर रही हैं। उन्होंने 654 में से 627 अंक हासिल किए। मानसी के इस प्रदर्शन को लेकर मध्य प्रदेश के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने उन्हें बधाई दी है। टूर्नामेंट मध्य प्रदेश राज्य शूटिंग अकादमी, बिसनखेड़ी (गोरागांव) खेल एवं युवा कल्याण विभाग और भारतीय राष्ट्रीय रायफल एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है। प्रतियोगिता में 70 गोल्ड मेडल के लिए देश

भर के साढ़े तीन हजार से ज्यादा खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। मुकाबले सुबह 8.15 से शाम 5.0 बजे तक खेले जा रहे हैं। चैम्पियनशिप में पहले दिन 10 मीटर और 50 मीटर में क्वलीफाइ राउंड हुए। इसमें 2202 पुरुष खिलाड़ी और 1301 महिला खिलाड़ी हैं। 10 मीटर एयर रायफल के क्वालीफाइ राउंड में दूसरे नंबर पर रहने वाली पंजाब की जैसमीन कौर सिर्फ 0.10 अंक पीछे रहीं। उन्होंने 626.90 अंक हासिल किए। हिमाचल प्रदेश की नीना चंदल 625.70 अंक के साथ तीसरे नंबर पर रहीं। मध्यप्रदेश के कुल 256 खिलाड़ी मेडल के लिए उतरे हैं।

कोरोना का सबसे खतरनाक स्ट्रेन

डेल्टा वैरिएंट जितना 100 दिन में फैला था, ओमिक्रॉन उतना सिर्फ 15 दिन में फैल चुका

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

कोरोना के नए वैरिएंट ओमिक्रॉन (क्क1.1.529) की शुरुआती रिपोर्ट्स बेहद चौंकाने वाली हैं। WHO ने इसे वैरिएंट ऑफ कन्सर्न बताया है। द. अफ्रीका के 3 प्रांतों में रोज मिलने वाले 90 फीसदी केस इसी वैरिएंट के हैं, जो 15 दिन पहले सिर्फ 1 फीसदी थे। वैज्ञानिकों को यही बात सबसे ज्यादा डरा रही है। क्योंकि, अभी तक सबसे तेजी से फैलने वाला वैरिएंट डेल्टा था, जिससे दुनिया में तीसरी लहर आई थी। अब ओमिक्रॉन से नई लहर का खतरा है, क्योंकि यह डेल्टा से 7 गुना तेजी से फैल रहा है। यही नहीं, यह तेजी से म्यूटेट भी हो रहा है। पकड़ में आने से पहले ही इसमें 32 म्यूटेशन हो चुके हैं। इसे देखते हुए यूरोपीय यूनियन के सभी 27 देशों ने

7 अफ्रीकी देशों से उड़ानों पर रोक लगा दी है। इधर, भारत में नए वैरिएंट का कोई केस नहीं मिला है। फिर भी सिंगापुर, मॉरीशस समेत 12 देशों से आने वाले यात्रियों की गहन जांच होगी। गुरुवार को देश में 10,549 नए संक्रमित मिले, जो एक दिन पहले के मुकाबले 15.6 फीसदी अधिक हैं। 488 मौतें हुईं। इनमें से 384 केरल में हुईं। देश में सक्रिय मरीज 1,10,133 हैं, जो कुल मरीजों के 0.32 फीसदी हैं और 539 दिनों में न्यूनतम हैं। देश में 49 दिन से लगातार 20 हजार से कम नए केस मिल रहे हैं।

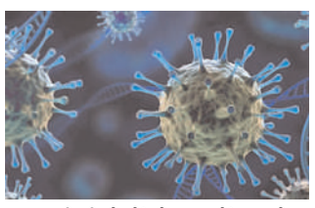

दुनिया में कोरोना वायरस के बढ़ते केस

बेल्जियम: एक दिन में 23,350 कोरोना केस दर्ज, अक्टूबर 2020 के बाद एक दिन में सबसे ज्यादा मामले।

स्विट्जरलैंड: एक दिन में 8,585 नए मामले दर्ज किए गए। यह नवंबर 2020 के बाद एक दिन में सबसे बड़ी बढ़त है।

जर्मनी: एक ही दिन में 73,887 नए कोरोना मामले मिले हैं। यह एक दिन अब तक की सबसे बड़ी बढ़त है।

इटली: 1 मई के बाद एक दिन में सबसे ज्यादा 12,448 कोरोना मामले दर्ज किए गए।

फ्रांस: एक दिन में 32,591 नए केस सामने आए। यह पिछले हफ्ते से 61 फीसदी ज्यादा है।

कर्नाटक के मेडिकल कॉलेज में 99 और कोरोना पॉजिटिव स्टूडेंट्स मिले

नई दिल्ली। कर्नाटक के धारवाड़ मेडिकल कॉलेज में कोरोना पॉजिटिव स्टूडेंट्स की संख्या शनिवार को बढ़कर 281 हो गई है। शनिवार को 99 स्टूडेंट्स पॉजिटिव मिलें हैं। गुरुवार को यह संख्या 182 थी। 2 दिन पहले बुधवार को यहां 66 मेडिकल स्टूडेंट संक्रमित मिले थे। धारवाड़ के छ्वरू नितेश पाटिल ने कहा कि अभी 1822 सैंपल्स की रिपोर्ट आनी बाकी है। यह आंकड़ा और भी बढ़ सकता है। कॉलेज के हेल्थ ऑफिसर्स ने कहा कि 17 नवंबर को कालेज में फ्रेशर्स पार्टी का आयोजन हुआ था, उससे ही कोरोना फैला होगा। हालांकि, सभी संक्रमितों के फुली वैक्सीनेटेड होने की वजह से कोई गंभीर केस नहीं मिला है।

किसानों का 29 नवंबर का ट्रैक्टर मार्च स्थगित

सरकार का रुख देखकर अगली रणनीति बनाएंगे, लेकिन तब तक दिल्ली बॉर्डर पर डटे रहेंगे

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

किसानों का 29 नवंबर को होने वाला ट्रैक्टर मार्च स्थगित हो गया है। अब 4 दिसंबर को संयुक्त किसान मोर्चा की बैठक होगी, जिसमें सरकार के रुख की समीक्षा करके अगली रणनीति बनाई जाएगी। पंजाब के किसान संगठनों ने सरकार के रुख में नरमी बरतते हुए मार्च पर अपना अड़ियल रवैया छोड़ दिया है।

सिंघु बॉर्डर पर शनिवार को संयुक्त किसान मोर्चा की बैठक में इस पर फैसला लिया गया। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कृषि कानूनों की वापसी के ऐलान और अब उस पर केंद्रीय कैबिनेट की मुहर लगने के बाद भी किसान आंदोलन खत्म फिलहाल जारी है। आंदोलन को एक साल पूरा होने पर शुक्रवार को सिंघु और टीकरी बॉर्डर पर किसानों की भीड़ ने शक्ति प्रदर्शन किया। 29 नवंबर को शुरू हो रहे संसद सत्र के दौरान सिंघु और टीकरी बॉर्डर से 500-500 ट्रैक्टरों के साथ संसद कूच का ऐलान पहले से प्रस्तावित था, जिसे टाल दिया गया है।

नैतिक जीत को मान रहे हैं बड़ा:- सूत्र बता रहे हैं कि पंजाब के किसान संगठन सरकार के रवैए के बाद अब थोड़ी नरमी के मूड में है। लंबे समय से चल रहे आंदोलन के कारण अब पंजाब के नेता वापसी पर जोर दे सकते हैं। क्योंकि कानून वापसी के ऐलान के बाद उन्हें नैतिक तौर पर मिली जीत को वह खोना नहीं चाहते।

बीच समंदर में टकराए दो जहाज

कच्छ में फिलीपींस और भारतीय जहाज में टक्कर तेल रिसने लगा; 43 लोगों को बचाया गया

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

गुजरात के कच्छ में ओखा तट के पास भारतीय कार्गोशिप की फिलीपींस के कार्गोशिप के बीच टक्कर हो गई है। हादसा शुक्रवार रात के करीब 11 बजे हुआ। इसके बाद चालक दल के सदस्यों ने इंडियन कोस्ट गार्ड से मदद मांगी। सूचना मिलते ही भारतीय नौसेना की टीम मौके पर पहुंची और दोनों जहाजों के 43 क्रू मेंबर्स का रेस्क्यू किया। मवी माई अटलांटिक ग्रेस में भारतीय चालक दल के 21 सदस्य थे, जबकि फिलीपीन माई एविएटर में चालक दल के 22 सदस्य मौजूद थे। टक्कर से फिलीपींस के जहाज के अगला हिस्से को काफी नुकसान पहुंचा है। हालांकि, अब तक यह साफ नहीं हो सका है कि हादसा किस वजह से हुआ।

तेल रिसाव रोकने के प्रयास

कोस्ट गार्ड से मिली जानकारी के अनुसार एक जहाज से तेल रिसाव हो रहा है, जिसे रोकने के प्रयास किए जा रहे हैं। नेवी की टेक्निकल टीम मौके पर मौजूद है। इंडियन पॉल्यूशन कंट्रोल वेसल भी मौके पर भेज दिया गया है। इसके अलावा भावनगर अलंग शिपयार्ड से भी टेक्निकल एक्सपर्ट्स की टीम भेजी जा रही है।

दैनिक इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेवलपमेंट सेंटर न्यूज

अर्थव्यवस्था, शिक्षा, नियोजन, उद्भव, पर्यावरण, मनोरंजन.

आपकी बात आपके साथ

भोपाल चैंबर ऑफ कॉमर्स चुनाव

3 बार वोटिंग डेट टली, अब खर्च होने वाले रुपयों से फंसा पेंच

» चुनाव अधिकारियों ने मीटिंग बुलाई

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

राजधानी के प्रतिष्ठित भोपाल चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के चुनाव की वोटिंग डेट पहले 3 बार टल चुकी है। वहीं, अब खर्च होने वाले रुपयों की वजह से पेंच फंस गया है। चुनाव अधिकारियों को वोटिंग और काउंटिंग कराने के लिए रुपए नहीं मिल पा रहे हैं। इसके चलते उन्होंने हाईकोर्ट में पिटीशन लगाने और चुनाव लड़ रहे सभी उम्मीदवारों की शनिवार को मीटिंग बुलाई है। इसमें वे वस्तुस्थिति से अवगत कराएंगे। चैंबर के चुनाव पिछले 3 महीने से सुर्खियों में बने हुए हैं। पहले चुनाव 29 अगस्त को होने वाले थे, लेकिन 26 अगस्त को स्ठरू मनोज उपाध्याय ने कोविड गाइडलाइन का हवाला देकर चुनाव पर रोक लगा दी थी। इसके बाद कलेक्टर के कथित मौखिक आश्वासन का हवाला देते हुए मुकेश सेन ने 12 सितंबर को दूसरी तिथि घोषित की, लेकिन पर्यूषण पर्व का हवाला देते हुए चुनाव लड़ रहे प्रत्याशियों ने कार्यवाहक अध्यक्ष जैन के साथ चैंबर भवन पर कब्जा जमा लिया था। वहीं, सेन से इस्तीफा ले लिया गया। यह मामला काफी सुर्खियों में रहा। आखिरकार तत्कालीन चुनाव अधिकारी सेन ने मीटिंग बुलाकर वोटिंग 14 नवंबर को कराने की घोषणा की थी, लेकिन इससे पहले 9 नवंबर को जबलपुर हाईकोर्ट ने चैंबर के कार्यवाहक अध्यक्ष जैन की याचिका पर सुनवाई की थी। जैन ने सचिव मुकेश सेन के चुनाव अधिकारी होने पर सवाल उठाते हुए 14 नवंबर को घोषित चुनाव पर रोक लगाने की मांग की थी। इस पर हाईकोर्ट ने चुनाव अधिकारी सेन को चुनाव कार्यक्रम से बाहर करने के आदेश जरूर दिए, लेकिन चुनाव पर रोक लगाने से इंकार कर दिया था। साथ ही वरिष्ठ अभिभाषक रोहित श्रोती, आकाश तेलंग और आंशुल अग्रवाल को सहायक चुनाव अधिकारी नियुक्त किया था।

बावजूद आगे नहीं बढ़ी वोटिंग की प्रोसेस

वरिष्ठ अभिभाषकों को चुनाव कराने की जिम्मेदारी मिल गई। बावजूद वोटिंग की प्रोसेस आगे नहीं बढ़ पाई। दरअसल, चैंबर के बैंक अकाउंट से राशि निकालने के लिए अध्यक्ष, कोषाध्यक्ष और सचिव के हस्ताक्षर होते हैं। इसके बाद ही राशि निकाली जा चुकी है। वर्तमान में चैंबर के खाते में डेढ़ लाख से ज्यादा रुपए जमा है।

चिट्ठी का जवाब आने के बाद मीटिंग का फैसला

चुनाव अधिकारी श्रोती ने बताया, कार्यवाहक अध्यक्ष जैन का जवाब मिला। इसके कई बातों का उल्लेख किया गया है। चूंकि, हमें हाईकोर्ट ने वोटिंग-काउंटिंग कराने के लिए नियुक्त किया है। इसलिए प्रोसेस आगे बढ़ा रहे हैं, लेकिन वोटिंग और काउंटिंग कराने के लिए परिसर, नए मतपत्र समेत अन्य तैयारियों को लेकर राशि की आवश्यकता है, जो नहीं मिल पाई है। शनिवार को मीटिंग में सभी को इससे अवगत कराएंगे। तारीख की सहमति बनती है तो ठीक वरना पूरी प्रोसेस से हाईकोर्ट को अवगत कराएंगे। विस्तृत रिपोर्ट कोर्ट में प्रस्तुत की जाएगी। बता दें कि प्रस्तावित चुनाव में परिवर्तन, सद्भावना, प्रगतिशील एवं व्यापारी का साथ, सबका विकास पैनल के 55 प्रत्याशी मैदान में हैं। वे 24 पदों के लिए चुनाव लड़ रहे थे। इनमें अध्यक्ष समेत 3 उपाध्यक्ष, 1 महामंत्री, 2 मंत्री, 1 कोषाध्यक्ष, 1 सह-कोषाध्यक्ष और 15 कार्यकारिणी शामिल हैं।

पशु एवं मछली पालकों को किसान क्रेडिट कार्ड 15 फरवरी तक जारी होंगे

अभियान में मध्यप्रदेश के 16 लाख किसानों को मिलेगा लाभ

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

अपर मुख्य सचिव पशुपालन एवं डेयरी विभाग श्री जे.एन. कंसोटिया ने बताया कि केन्द्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय द्वारा 15 नवम्बर 2021 से 15 फरवरी 2022 तक ''नेशनवाइड एनिमल हस्बेंडरी डेयरी एवं फिशरीज़ केसीसी केम्पैन'' चलाया जा रहा है। प्रदेश में भी केसीसी अभियान शुरू किया गया है। इसमें पशुपालन गतिविधियों के लिये प्रदेश के 16 लाख किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड जारी करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिये सभी संभागायुक्त और कलेक्टर्स को दिशा-निर्देश जारी किये गये हैं। केसीसी अभियान में प्रदेश के सभी पात्र पशुपालकों और दुग्ध उत्पादक संगठनों को किसान क्रेडिट कार्ड उपलब्ध कराए जाएँगे। श्री कंसोटिया द्वारा प्रत्येक शुक्रवार को शिविर आयोजित कर जाँच-परख कर आवेदन स्वीकार करने के निर्देश दिये गये हैं। उन्होंने कहा कि पशुपालकों की जागरूकता और अभियान के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिये आत्मा (एग्रीकल्चर टेक्नालॉजी मेनेजमेंट एजेंसी), कृषि विज्ञान केन्द्र, एसआरएलएम, एनआरएलएम, पंचायत, कृषि, राजस्व आदि विभाग की भी मदद ली जाए।

केसीसी कैम्पेन समन्वय समिति गठित होगी

जिला स्तर पर किसान क्रेडिट कार्ड अभियान के लिये केसीसी समन्वय समिति गठित की जा रही है। समिति में अग्रणी बैंक जिला प्रबंधक समन्वयक और समस्त बैंकों के जिला स्तर के प्रतिनिधि सदस्य होंगे। जिलों में पदस्थ पशुपालन एवं डेयरी उप संचालक नोडल अधिकारी होंगे। सहकारी दुग्ध संघ के अधिकारी/कर्मचारी, उप संचालक से समन्वय स्थापित कर दुग्ध सहकारी समितियों से संबंधित पशुपालकों के आवेदन शिविर में प्रस्तुत करेंगे। वहीं दुग्ध संघ से इतर अन्य पशुपालकों के आवेदन उप संचालक पशुपालन एवं डेयरी प्रस्तुत करेंगे। शिविर में सभी बैंकों के प्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे। प्राप्त आवेदन का चेकलिस्ट अनुसार मिलान कर पूर्ण पाए जाने पर आवेदक को पावती दी जाएगी। वहीं कमी रहने पर आवेदक को लिखित में अवगत कराया जाएगा। सही आवेदनों का निराकरण 15 दिवस के भीतर हो जाएगा। अभियान की निगरानी के लिये प्रति सप्ताह डीएलसीसी और बीएलबीसी बैठक का आयोजन करने और सम्पूर्ण कार्यवाही से शासन को अवगत कराने के निर्देश दिये गये हैं।

पशुपालन मंत्री श्री पटेल द्वारा संविधान दिवस पर पुस्तक का विमोचन

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

पशुपालन एवं डेयरी और सामाजिक न्याय एवं निश्शक्तजन कल्याण मंत्री श्री प्रेमसिंह पटेल ने संविधान दिवस पर सेवानिवृत्त पोस्ट मास्टर श्री दयाराम मंडल द्वारा लिखित भारत के डाक टिकटों में भारतरत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर पुस्तक का विमोचन किया। पुस्तक भारत सरकार द्वारा संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर पर जारी डाक टिकटों पर आधारित है। अपर मुख्य सचिव पशुपालन एवं डेयरी विभाग श्री जे.एन. कंसोटिया भी इस अवसर पर उपस्थित थे। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने संविधान में समाज के सभी वर्गों के लोगों को समानता और स्वतंत्रता का अवसर दिया। संविधान दिवस पर मंत्री श्री पटेल ने प्रदेशवासियों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि डॉ. अंबेडकर के बताए मार्ग और जीवन का अनुसरण करना चाहिए। श्री कंसोटिया ने कहा कि भारतीय नागरिकों के दैनिक जीवन में संविधान का बहुत महत्व है। संविधान ने हमें सभी तरह की स्वतंत्रता प्रदान की है।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल से मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने राजभवन में भेंट कर जननायक टंट्या मामा के बलिदान दिवस 04 दिसम्बर को पातालपानी महू में आयोजित कार्यक्रम के लिए आमंत्रित किया।

न्यूज ब्रीफ

पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने 880 शिविर लगाए, 4652 उपभोक्ता लाभान्वित

भोपाल। राज्य शासन द्वारा कोरोना काल में एक किलोवॉट भार तक के घरेलू बिजली उपभोक्ताओं के बिल की 31 अगस्त 2020 तक की आस्थगित की गई बकाया राशि के निराकरण के लिए ''समाधान योजना'' लागू की गई है। योजना के दो विकल्पों के अंतर्गत बकाया मूल राशि में 40 अथवा 25 प्रतिशत की छूट दी जा रही है तथा दोनों विकल्पों में अधिभार राशि को पूरी तरह माफ करने का प्रावधान रखा गया है। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बिजली उपभोक्ताओं से समाधान योजना का अधिक से अधिक लाभ लेने का आग्रह किया है। म.प्र.पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड द्वारा बकायादार उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए बकाया राशि का निराकरण करने विभिन्न सार्वजनिक स्थानों पर शिविरों का आयोजन किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने स्मार्ट सिटी पार्क में गुलमोहर और खिरनी का पौधा लगाया।

नगरीय विकास के कार्यों में तेजी लाने राज्य स्तरीय तकनीकी समिति पुनर्गठित

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा राज्य स्तरीय तकनीकी समिति का पुनर्गठन किया गया है। गौरतलब है कि नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह ने नगरीय विकास के कार्यों में तेजी लाने के उद्देश्य से समिति के पुनर्गठन के निर्देश दिये थे। राज्य स्तरीय तकनीकी समिति के अध्यक्ष प्रमुख अभियंता/मुख्य अभियंता संचालनालय नगरीय प्रशासन एवं विकास होंगे। समिति के सदस्य सचिव अधीक्षण यंत्री/कार्यपालन यंत्री संचालनालय नगरीय प्रशासन एवं विकास होंगे। समिति में प्रमुख अभियंता मध्यप्रदेश अर्बन डेव्हलपमेंट कंपनी लिमिटेड अथवा नामांकित तकनीकी अधिकारी, परियोजना निदेशक मध्यप्रदेश जल निगम अथवा नामांकित तकनीकी अधिकारी, मुख्य अभियंता लोक निर्माण अथवा नामांकित तकनीकी अधिकारी, संबंधित नगरीय निकाय के संभाग के अधीक्षण यंत्री/कार्यपालन यंत्री नगरीय प्रशासन एवं विकास, संबंधित नगरीय निकाय के आयुक्त/मुख्य नगर पालिका अधिकारी और विशेष आमंत्रित विषय विशेषज्ञ सदस्य होंगे।

समिति के कार्यक्षेत्र में शामिल परियोजनाएँ

राज्य स्तरीय तकनीकी समिति के कार्यक्षेत्र में यूआईडीएसएसएमटी योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, मुख्यमंत्री शहरी पेयजल योजना, राज्य आपदा शमन मद , राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन, मुख्यमंत्री शहरी अधो-संरचना विकास योजना और केन्द्र एवं राज्य सहायतित अन्य योजनाएँ जैसा की राज्य शासन द्वारा विहित किया जाए, शामिल होंगी।

राज्य स्तरीय तकनीकी समिति का कार्यक्षेत्र

राज्य स्तरीय तकनीकी समिति द्वारा निविदा प्रपत्र एवं विशिष्ट निविदा शर्तों का अनुमोदनकिया जाएगा (स्टेंडर्ड बिड डॉक्यूमेंट में परिवर्तन होने पर)। पाँच करोड़ रूपये या उससे अधिक लागत की परियोजनाओं के प्रतिवेदन का तकनीकी मुल्यांकन, 5 करोड़ या उससे अधिक की निविदा का परीक्षण एवं दरों की अनुशंसा, एक मुश्त निविदा आधारित परियोजनाओं के क्रियान्वयन के समय कार्य की मात्रा में बढ़ोत्तरी/कमी का परीक्षण एवं अनुशंसा, परियोजना क्रियान्वयन से संबंधित तकनीकी एवं अन्य कोई मुद्दे, जो समिति को सौंपे जाएँ और आयुक्त नगरीय प्रशासन एवं विकास द्वारा सौंपे गये अन्य तकनीकी विषय समिति के कार्यक्षेत्र में होंगे।

नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री सिंह ने कहा है कि अब 5 करोड़ रूपये से कम लागत के प्रोजेक्ट का अनुमोदन नगरीय निकाय स्तर पर ही हो सकेगा। इससे परियोजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी आएगी।

न्यूज ब्रीफ

नए वायरस को घातक कहना जल्दबाजी

कोरोनावायरस के नए अफ्रीकी रूप बी.1.1.529 को लेकर बढ़ती चिंता के बीच, भारतीय आर्युविज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने सकारात्मक संकेत देते हुए कहा कि वायरस के नए रूप में संरचनात्मक बदलावों की व्याख्या घातक या अत्यधिक संक्रामक तौर पर करने की आवश्यकता नहीं है। आईसीएमआर में महामारी विज्ञान एवं संक्रामक रोगों के प्रमुख समीरन पांडा ने बिज़नेस स्टैंडर्ड को बताया, म्यूटेशन कोई नई बात नहीं है। यह रिसेप्टर बाइंडिंग डोमेन में बदलावों की संख्या है जिसकी वजह से इतना ध्यान खींचा गया है। क्लस्टर संक्रमण को अभी तक नहीं देखा गया है। पांडा ने कहा कि अन्य बातों के अलावा क्लीनिकल आकलन करने के लिए वायरस के इस नए रूप का अधिक अध्ययन करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, हमें कड़ी निगरानी रखने की जरूरत है। प्रारंभिक आंकड़ों से पता चलता है कि बी.1.1.529 रूप में वायरस के विभिन्न हिस्सों में 30 से अधिक म्यूटेशन हुए हैं। ये म्यूटेशन स्पाइक प्रोटीन में होते हैं जो वायरस का वह हिस्सा होता है जो शरीर में कोशिकाओं को बांधता है। भारत में अभी तक इस नए रूप का पता नहीं चला है। पांडा ने कहा कि यह ध्यान रखना जरूरी है कि यह कोई नया वायरस नहीं है। उन्होंने कहा, यह एक नया अवतार है। नए रूप होते हैं और हम खुद को साफ-सफाई का ख्याल रखकर, एक-दूसरे से दूरी बरतकर और कोविड के अनुरूप व्यवहार कर खुद को बचाने में सक्षम होंगे।% पांडा ने इस बात पर जोर देते हुए कहा कि वायरस के नए रूप का संदर्भ किसी देश के नाम से नहीं जोड़ा जाना चाहिए क्योंकि इससे अमुक जगह बदनाम होती है। उन्होंने कहा कि लोग टीकाकरण कराएं। पांडा ने कहा, %हम इस बात पर नजर बनाए हुए हैं कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) क्या कहेगा और भारत में क्या हो रहा है। क्या नए वायरस पर टीके का कोई असर नहीं होगा इस पर उन्होंने कहा कि 100 फीसदी प्रतिरोधक क्षमता वाला बचाव कारगर नहीं होगा। इसका मतलब यह है कि इसके स्तर में कुछ हद तक अंतर हो सकता है और टीके से कुछ सुरक्षा मिलेगी।

नए मॉडल की प्लानिंग: एसयुवी जैसी डिजाइन के साथ अगले साल आ सकती है नई स्विफ्ट, इसमें इग्निस की झलक दिख रही

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

वैसे तो मारुति की सभी कार पॉपुलर हैं, लेकिन स्विफ्ट की बात अलग है। सितंबर 2021 तक इसकी 25 लाख यूनिट बिक चुकी हैं। स्विफ्ट को 16 साल पहले ऑटो एक्सपो 2014 में %कॉन्सेप्ट एस% के नाम से पेश किया गया था। लॉन्चिंग के बाद से स्विफ्ट की डिमांड में लगातार तेजी देखने को मिली है। लॉन्चिंग से अब तक ये पूरी तरह बदल चुकी है। फरवरी 2021 में इसका फेसलिफ्ट मॉडल लॉन्च किया गया था। अब एक बार फिर इसकी डिजाइन पूरी तरह बदलने वाली है। सुजुकी स्विफ्ट का थर्ड जनरेशन मॉडल 4 साल का सफर तय कर चुका है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सुजुकी 4 साल से इस नए मॉडल

पर काम कर रही है। माना जा रहा है कि अगले साल नया मॉडल डेब्यू भी कर देगा। फोटो में नई स्विफ्ट मौजूद मॉडल से एकदम अलग नजर आ रही है। नेक्स्ट जनरेशन स्विफ्ट एसयुवी बेस्ड हो सकती है।

स्विफ्ट की डिमांड में गिरावट नहीं

पिछले 5 फाइनेंशियल ईयर की बात की जाए तो मारुति स्विफ्ट की डिमांड में कमी नहीं आई है। कोविड-19 महामारी के बाद कुछ समय के लिए शोरूम बंद हुए, महीनों का लॉकडाउन लगा, प्रोडक्शन और सप्लाई चेन पर असर हुआ, इन तमाम मुश्किलों के बाद भी ये लोगों की पहली पंसद बनी रही। भारतीय बाजार में पिछले 5 फाइनेंशियल ईयर में स्विफ्ट की औसतन 164,384 यूनिट बिकी हैं।

नेक्स्ट जनरेशन सुजुकी स्विफ्ट में क्या खास मिलने की उम्मीद?

नेक्स्ट जनरेशन स्विफ्ट को हार्टेक्ट प्लेटफॉर्म पर तैयार किया जाएगा। कंपनी के सभी मॉडल अब इसी प्लेटफॉर्म पर तैयार किए जा रहे हैं। स्विफ्ट को स्पोर्टी मॉडल दिया जाएगा। इसमें 48ङ्क माइल्ड-हाइब्रिड सिस्टम के साथ 1.4-लीटर टर्बो-पेट्रोल इंजन लगाया जा सकता है। इसमें 200द्धद्ध से ऊपर का ग्राउंड क्लियरेंस, बॉडीवर्क पर भारी प्लास्टिक क्लैडिंग मिल सकता है। मौजूदा मॉडल की तुलना में इसकी बॉडी ज्यादा स्ट्रेट होगी। सेकेंड रो में बैठने वाले पैसेंजर्स के लिए मौजूद मॉडल की तुलना में ज्यादा स्पेस भी मिल सकता है।

इग्निस मिलता-जुलता दिख रहा डिजाइन

नेक्स्ट जनरेशन स्विफ्ट की डिजाइन मारुति की इग्निस से काफी मिलती दिख रही है। पहली नजर में देखने पर आप इसे इग्निस ही समझ लेंगे। खासकर कार के सस्पेंशन और मडगार्ड की डिजाइन हूबहू इग्निस जैसी है। इसके फॉगलैम्प चार स्र्ष्ठ के सेट में दिए गए हैं। इसके फ्रंट पर स्मॉल साइज ग्रिल दी है।

पेटीएम क्यूएक्स रिजल्ट : घाटा बढ़कर 474 करोड़ रुपए पर पहुंचा

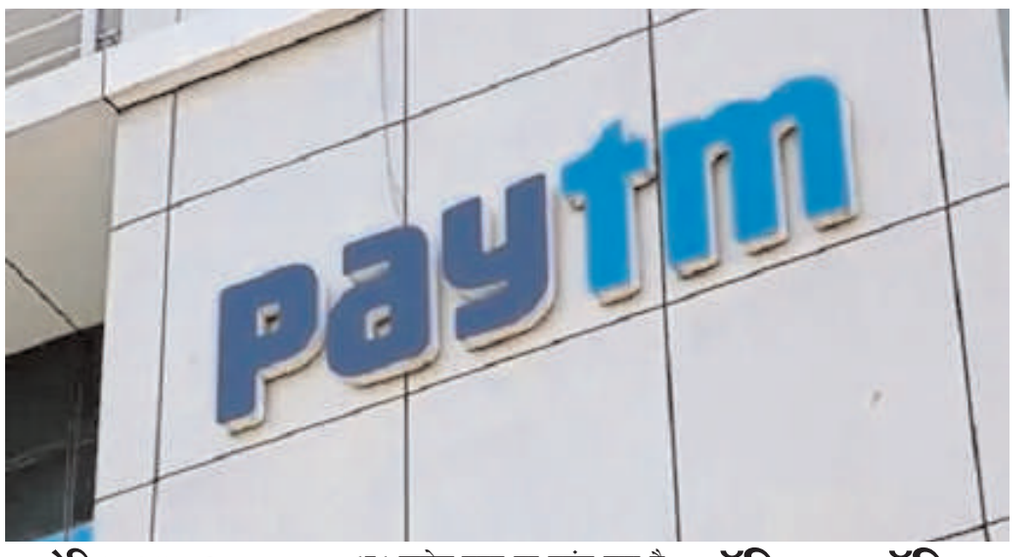

» लेकिन आय 64 फीसदी बढ़कर 1,086 करोड़ पर पहुंची

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

फिनटेक फर्म पेटीएम की पैमेंट कंपनी वन97 कम्युनिकेशन्स ने 30 सितंबर 2021 को खत्म हुई अपनी दूसरी तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। जिसके मुताबिक इस अवधि में कंपनी का घाटा बढ़कर 474 करोड़ रुपए पर पहुंच गया है जो कि इसके पिछले वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में 437 करोड़ रुपए पर रहा था। दूसरी तिमाही में कंपनी की कामकाजी आय सालाना आधार पर 64फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 1090 करोड़ रुपए रही है। कंपनी की आय में नॉन यूपीआई पेमेंट वॉल्यूम (त्रस्ङ्क) में 52 फीसदी की ग्रोथ और फाइनेशिंयल सर्विसेस कारोबार में 3 फीसदी से ज्यादा की ग्रोथ रही।

कॉन्ट्रिब्शन प्रॉफिट 6 गुना बढ़ा

जुलाई-सितंबर तिमाही के दौरान कंपनी का कॉन्ट्रिब्शन प्रॉफिट 260 करोड़ रुपए का रहा। इसमें सालाना आधार पर 6 गुना की बढ़ोतरी देखने को मिली है। अलग-अलग सेगमेंट पर नजर डालें तो कंपनी के पेमेंट और फाइनेंशियल सर्विस सेगमेंट की आय 842.6 करोड़ रुपए रही है। इस अवधि में इसमें सालाना आधार पर 69 फीसदी की ग्रोथ देखने को मिली है जो कि पिछले साल की इसी तिमाही में 497.8 करोड़ रुपए पर रही थी। दूसरी तिमाही में कंपनी की क्लाउड और कॉर्मस सर्विस की आय सालाना आधार पर 47 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 166 करोड़ रुपए से बढ़कर 243.8 करोड़ रुपए पर पहुंच गई है। इस अवधि में कंपनी का कुल खर्च सालाना आधार पर 32 फीसदी की बढ़त के साथ 626 करोड़ रुपए के मुकाबले 825.7 करोड़ रुपए पर रहा है।

शुरुआती गिरावट के बाद संभला शेयर

इसी महीने शेयर बाजार में लिस्ट हुई वन 97 कम्युनिकेशन के शेयरों की जमकर पिटाई हुई है। 2,150 रुपए के इश्यू प्राइस की तुलना में पहले ही दिन इसका शेयर 27 फीसदी टूट कर 1,564 रुपए पर बंद हुआ था। हालांकि इसके बाद कंपनी के शेयरों ने थोड़ा दम दिखाया और शुक्रवार के कारोबार में यह शेयर ह्रस्श्व पर 16.15 रुपए 0.90 फीसदी की गिरावट के साथ 1,782.60 रुपए पर बंद हुआ।

देसी ताले का डिजिटल अवतार

अलीगढ़ का ताला अब उंगली के टच से खुलेगा

तोड़ने की कोशिश पर मालिक को तुरंत करेगा अलर्ट

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

बात ताले की हो, तो बात अलगीढ़ की भी होगी। आज भी मजबूती के मामले में अलीगढ़ के ताले का नाम चलता है। इस ताले से जुड़ा किस्सा तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी बता चुके हैं। अलीगढ़ के राजा महेंद्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय के शिलान्यास समारोह में PM ने कहा था कि आज तक लोग अपने घर और दुकान की सुरक्षा के लिए अलीगढ़ ताले के भरोसे रहते हैं। अब अलीगढ़ के स्मार्ट डोर लॉक इंटरनेशनल मार्केट में अपनी पहचान बनाने को तैयार हैं। मार्केट में अब बायोमेट्रिक डोर लॉक की डिमांड तेजी से बढ़ रही है। यानी आपकी उंगली के टच से खुलने वाले ताले। अलीगढ़ में अब ऐसे ही ताले तैयार किए जाएंगे। इन नेक्स्ट जनरेशन लॉक में ताइवान की टेक्नोलॉजी और अलीगढ़ की मजबूती मिलेगी। अभी बायोमेट्रिक और डिजिटल लॉक में चीन सबसे आगे है। चलिए इस स्टोरी में इन्ही डिजिटल लॉक के बारे में जानते हैं। बायोमेट्रिक एक ऐसा सिस्टम है जो आपको फिंगरप्रिंट को स्कैन करके उसका डेटा स्टोर करता है। इन ताले पर एक टच पैनल या स्क्रीन होती है, जिसमें थर्मल या ऑप्टिकल स्कैनर दिया होता है। इसी पर फिंगर को रखा जाता है। स्क्रीन के अंदर लगे सेंसर आपके फिंगरप्रिंट को स्कैन करके स्टोर डेटा से मिलाते हैं। डेटा मैच होने के बाद लॉक खुल जाता है।

अगर आप करेंट अफेयर्स और न्यूज के वीडियो अपलोड करते हैं, तो

5 जनवरी से पहले सरकार को देनी होगी अपने अकाउंट की जानकारी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

यूट्यूब पर करेंट अफेयर्स और न्यूज के वीडियोज अपलोड करने वालों के लिए कंपनी नए नियम और शर्तें लेकर आई है। इसके तहत यूट्यूब पर चैनल चलाने वालों को 5 जनवरी से पहले अपने अकाउंट की जानकारी केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्रालय को देनी होगी।

डिजिटल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर नकेल कसने की तैयारी

डिजिटल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर नकेल कसने के लिए केंद्र सरकार 9 महीने पहले इंडियन इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी नियम 2021 लेकर आई थी। इसके तहत डिजिटल मीडिया के विभिन्न माध्यमों को कैटेगराइज किया गया है।

गाइडलाइन में 4 तरह के प्लेटफॉर्म्स शामिल: 25 फरवरी 2021 में जारी गाइडलाइन में सरकार ने 4 तरह के प्लेटफॉर्म्स को शामिल किया है। पहला- इंटरमीडिएरीज। दूसरा- सोशल मीडिया इंटरमीडिएरीज। तीसरा- सिग्निफिकेंट सोशल मीडिया इंटरमीडिएरीज। चौथा- ह्लञ्ज्ञ प्लेटफॉर्म्स। इनमें से यूट्यूब इंटरमीडिएरीज के अंतर्गत आता है।

इंटरमीडिएरीज क्या होता है? इंटरमीडिएरीज का मतलब ऐसे सर्विस प्रोवाइडर से हैं, जो यूजर्स के कंटेंट को ट्रांसमिट और पब्लिश तो करता है, लेकिन न्यूज मीडिया की तरह उस कंटेंट पर उसका कोई एडिटोरियल कंट्रोल नहीं होता। ये इंटरमीडिएरीज आपके इंटरनेट सर्विस प्रोवाइडर्स हो सकते हैं, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म हो सकते हैं या ऐसी वेब सर्विसेज हो सकती हैं जो आपको कंटेंट अपलोड करने, पोस्ट करने या पब्लिश करने की इजाजत देती हैं।

कोविड के नए 'वैरिएंट' की वजह से डब्ल्यूटीओ की बैठक अनिश्चितकाल के लिए टली

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

कोरोना वायरस की वजह से विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) की 30 नवंबर से जिनेवा में होने वाली मंत्रिस्तरीय बैठक अनिश्चितकाल के लिए टल गई है। दक्षिण अफ्रीका में कोरोना वायरस का एक नया 'वैरिएंट' सामने आया है। यह अधिक तेजी से फैलता है। इसी के मद्देनजर बैठक को अनिश्चितकाल के लिए टालने का फैसला किया गया है। डब्ल्यूटीओ की ओर से जारी बयान में 12वीं मंत्रिस्तरीय बैठक की नयी तारीखों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है। स्विट्जरलैंड और कई अन्य यूरोपीय देशों में यात्रा अंकुशों तथा पृथकवास या क्वारंटीन की जरूरतों के मद्देनजर सामान्य परिषद के अध्यक्ष राजदूत दसियो कैस्टिलो (होंडुरास) ने शुक्रवार रात डब्ल्यूटीओ के सभी सदस्यों की बैठक बुलाई और उन्हें स्थिति से अवगत कराया। कैस्टिलो ने सामान्य परिषद से कहा, ''इन दुर्भाग्यपूर्ण घटनाक्रमों तथा इनकी वजह से पैदा होने वाली अनिश्चित स्थिति के चलते मंत्रिस्तरीय सम्मेलन को स्थगित करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। जैसे ही परिस्थितियां अनुमति देंगी हम यह बैठक फिर बुलाएंगे।'' डब्ल्यूटीओ के महानिदेशक नगोजी ओकोंजो इवेला ने कहा कि यात्रा अंकुशों का मतलब है कि कई मंत्री और वरिष्ठ प्रतिनिधि इन सम्मेलन में आमने-सामने की बातचीत में शामिल नहीं हो पाएंगे। डब्ल्यूटीओ के सदस्यों ने एकमत से सामान्य परिषद तथा महानिदेशक का समर्थन किया।

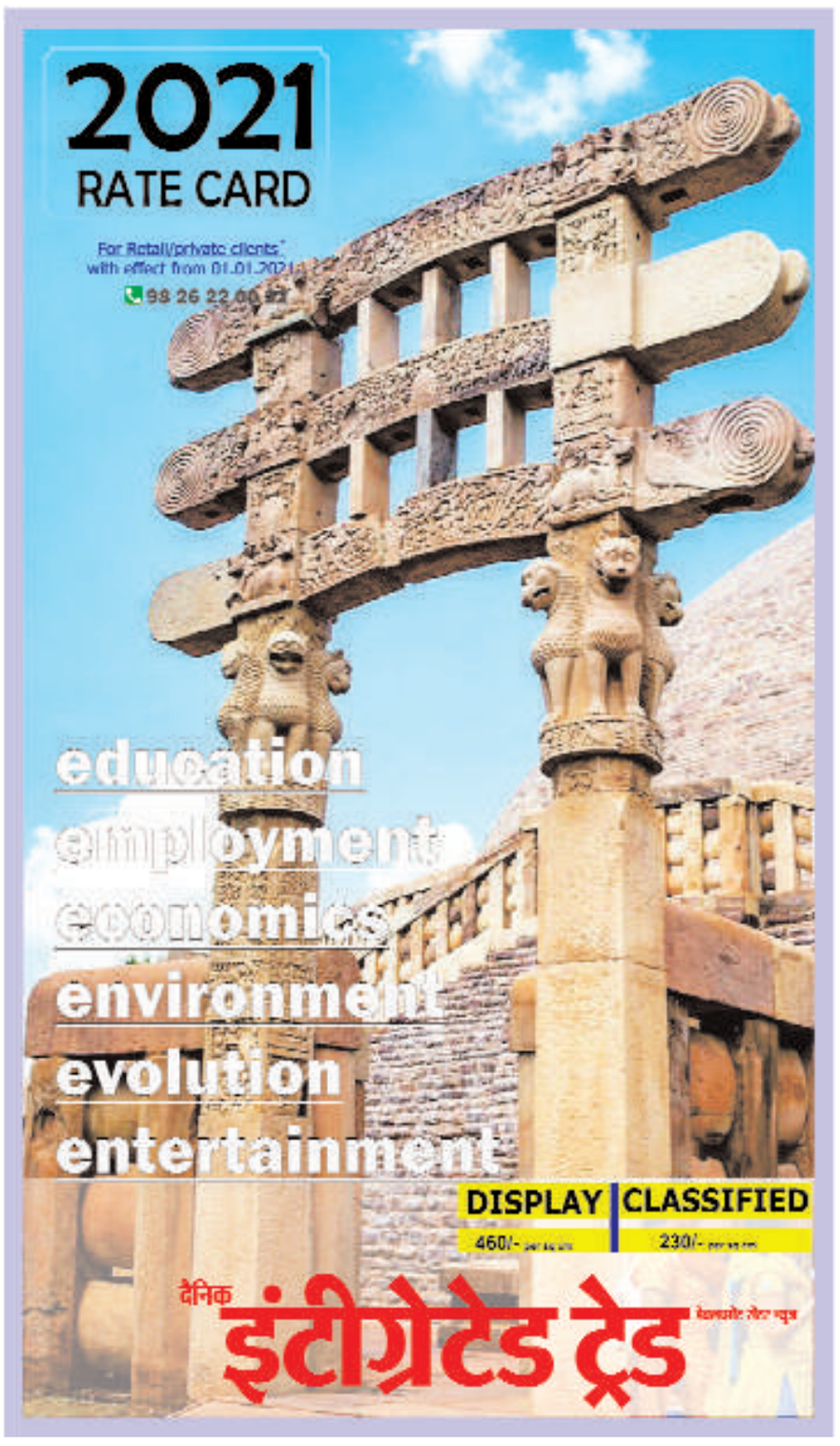

ऊंची लागत की मार से महंगे हुए एफएमसीजी उत्पाद

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईटीसी और पारले प्रोडक्ट्स जैसी एफएमसीजी कंपनियों ने कच्चे माल की बढ़ती लागत का दबाव कुछ कम करने के लिए अक्टूबर और नवंबर में अपने उत्पादों के दाम बढ़ा दिए हैं। देश की सबसे बड़ी उपभोक्ता वस्तु कंपनी एचयूएल ने मौजूदा तिमाही में अपने पोर्टफोलियो के सभी उत्पादों के दाम बढ़ाए हैं। कंपनी ने 1 से 33 फीसदी के दायरे में मूल्य वृद्धि की है। एचयूएल ने अपने उत्पादों के दाम में औसतन 7 फीसदी का

इजाफा किया है। कंफर्ट कंडीशनर के 19 मिलीलीटर पैक के दाम में सबसे ज्यादा 33.33 फीसदी की बढ़ोतरी की गई है। कंपनी ने चाय, कॉफी, साबुन, डिटर्जेंट, टॉयलेट क्लीनर, फेसक्रीम, बॉडी लोशन और शैम्पू के दाम में भी इजाफा किया है। 50 ग्राम वाले ब्रू इंस्टैंट कॉफी पैक का दाम 8.3 फीसदी बढ़ गया है और लिप्टन चाय की कीमत में 3 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। डव साबुन के दाम 7 से 12 फीसदी बढ़े हैं और सर्फ एक्सेल 2 से 9 फीसदी महंगा हुआ है। लक्स साबुन के दाम भी 7 से 18 फीसदी बढ़ गए हैं। एचयूएल ने बिजनेस स्टैंडर्ड को ईमेल से भेजे बयान में कहा है, %जिंसों की कीमतों में अप्रत्याशित उतार-चढ़ाव के साथ हमारे ऊपर मुद्रास्फीति का दबाव बढ़ गया था। हमने लागत का बोझ कम करने के लिए बचत के एजेंडे पर काम किया। लेकिन लागत में ज्यादा बढ़ोतरी होने पर हमें शुद्ध राजस्व प्रबंधन के सिद्धांत के तहत उत्पादों के दाम बढ़ाने पड़े। एचयूएल के मुख्य वित्त अधिकारी ऋतेश तिवारी ने कंपनी के नतीजों की घोषणा के बाद निवेशकों से कहा कि एचयूएल ने कच्चे माल की बढ़ी हुई लागत के आंशिक भार को कम करने के लिए डिटर्जेंट और घरेलू सामानों के दाम में बढ़ोतरी की है। पारले प्रोडक्ट्स इस तिमाही में पहले ही अपने उत्पादों के दाम 5 से 10 फीसदी बढ़ा चुकी है। पारले-जी बिस्कुट बनाने वाली कंपनी ने 20 रुपये से कम वाले पैक पर दाम बढ़ाने के बजाय उसका वजन कम किया है और 20 रुपये से ऊपर के उत्पादों के दाम बढ़ाए हैं।

परिवारवाद पर प्रहार कर पीएम मोदी ने बिल्कुल सही किया

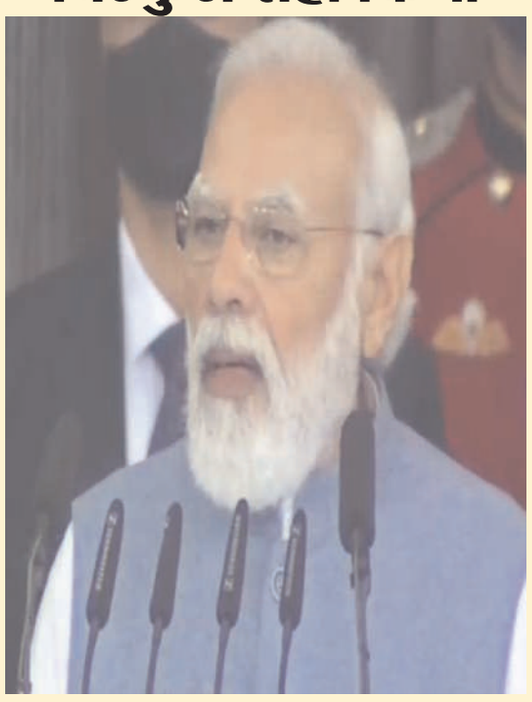

संविधान दिवस पर आयोजित एक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने बिना नाम लिए परिवारवादी राजनीतिक दलों को निशाने पर लेकर बिल्कुल सही किया। परिवारवाद को बढ़ावा दे रहे दलों को कठघरे में खड़ा करने की जरूरत इसलिए है, क्योंकि ऐसे दल लोकतंत्र और संविधान की भावना को केवल चोट ही नहीं पहुंचा रहे हैं, बल्कि एक किस्म की सामंतशाही को भी पाल-पोस रहे हैं।

परिवारवादी दलों से यह उम्मीद नहीं की जा सकती कि वे लोकतांत्रिक मूल्यों और मान्यताओं को मजबूत करने का काम करेंगे। वे ऐसा कर भी नहीं रहे हैं। अपने दलों को निजी दुकान की तरह चलाने वाले परिवारवादी नेता जब समानता, लोकतंत्र, सत्ता में जनता की भागीदारी की बातें करते हैं, तब वे वास्तव में इन सबका उपहास ही उड़ा रहे होते हैं।

निस्संदेह प्रधानमंत्री की बातों से परिवारवादी दलों को बुरा लगेगा, लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं कि वे लोकतंत्र के लिए नासूर बनते जा रहे हैं। समय के साथ परिवारवादी दल बढ़ते जा रहे हैं। राष्ट्रीय दलों में भाजपा और वाम दलों को छोड़ दें तो कोई भी ऐसा नहीं, जो परिवारवाद पर आश्रित न हो। कांग्रेस तो परिवारवाद का पर्याय ही बन गई है।

वास्तव में उसने ही परिवारवाद की राजनीति का बीज बोया। एक समय गैर कांग्रेसी दल परिवारवाद को प्रश्रय देने के कारण कांग्रेस का विरोध करते थे, लेकिन धीरे-धीरे ऐसे दल न केवल उसकी शरण में जाते गए, बल्कि खुद भी परिवारवादी बन गए। आज एक-दो क्षेत्रीय दलों को छोड़कर कोई भी ऐसा नहीं, जो परिवारवाद को पोषित न कर रहा हो। कुछ तो ऐसे हैं, जिनमें दल की स्थापना करने वाले नेता की दूसरी-तीसरी-चौथी पीढ़ी राजनीति में खप चुकी है। ऐसे दलों में समय के साथ परिवार के सदस्य लगातार बढ़ते जा रहे हैं। चूंकि वे परिवार के सदस्य होते हैं इसलिए तत्काल प्रभाव से महत्वपूर्ण पदों पर काबिज हो जाते हैं। इस मामले में उत्तर से लेकर दक्षिण और पूर्व से लेकर पश्चिम भारत तक के क्षेत्रीय दलों में अद्भुत समानता देखने को मिलती है। अब तो ऐसे दल परिवारवाद के पक्ष में कुतर्कों से भी लैस हो गए हैं। एक परिवार से एक से ज्यादा लोगों का राजनीति में सक्रिय होना उतनी बड़ी समस्या नहीं, जितनी पार्टी पर एक ही परिवार का कब्जा होना है। अब तो यह कब्जा पीढ़ी दर पीढ़ी बरकरार रहता है। ऐसा तो राजशाही में होता था। आखिर राजशाही की तरह संचालित होने वाले दल लोकतंत्र के लिए कल्याणकारी कैसे हो सकते हैं? यह वह सवाल है, जिस पर आम जनता को विचार करना होगा, क्योंकि परिवारवादी राजनीति के पोषक तो यह काम कभी नहीं करने वाले।

संपादकीय

दिवस वहां, संविधान कहां!

स्वतंत्रता आंदोलन की विरासत से जुड़े संविधान से दूर और वास्तव में मनुस्मृति के रास्ते पर भारत की इसी वास्तविक फिसलन को छुपाने के लिए, उसकी ओर से ध्यान हटाने के लिए, नरेंद्र मोदी ने अपने संविधान दिवस का इस्तेमाल, वंशवादी पार्टियों के खतरे का हौवा खड़ा करने के लिए किया है और इसकी अनिष्टकर आगाहियां की हैं कि, भारत एक संकट की ओर बढ़ रहा है। बेशक, कोई दल अगर किसी एक परिवार की संपत्ति बना रहे, तो इससे उसकी जनतांत्रिक संभावनाएं सीमित होती ही हैं। इसी प्रकार, इससे भी कोई असहमत नहीं होगा कि %अगर कोई पार्टी कई पीढ़ियों तक एक ही परिवार के हाथ में रहे, तो यह स्वस्थ लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं है। इस में हैरानी की कोई बात नहीं है कि सेंट्रल हाल में आयोजित सातवें संविधान दिवस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी, विपक्ष पर जमकर बरसे। इसकी विडंबना शायद ही लोगों से छुपी रहेगी कि प्रधानमंत्री एक ओर तो इसका दावा कर रहे थे कि यह कार्यक्रम किसी राजनीतिक दल का नहीं था। किसी प्रधानमंत्री का नहीं था। यह कार्यक्रम स्पीकर पद की गरिमा थी तथा विपक्ष को इसका उपदेश दे रहे थे कि, हम संविधान की गरिमा बनाए रखें। और दूसरी ओर वह ऐसे संविधान की गरिमा से जुड़े आयोजन में, प्रधानमंत्री के पद के नाते मिले बोलने के मौके का इस्तेमाल, विपक्षी पार्टियों पर आक्रमण करने के लिए करके उसे, अपनी पार्टी के दलगत आयोजन में बदलने में लगे हुए थे। बेशक, संसद में सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी, कांग्रेस समेत 14 विपक्षी पार्टियों के संविधान दिवस के इस आयोजन से अनुपस्थित रहने का फैसला प्रधानमंत्री मोदी को बहुत नागवार गुजरा। यहां तक कि प्रधानमंत्री ने इसका भी एलान कर दिया कि, इस कदम से संविधान की भावना को चोट पहुंची है। इसकी एक-एक धारा को चोट पहुंची है। लेकिन, इससे कोई अगर यह समझता है कि एक गरिमापूर्ण संवैधानिक आयोजन में विपक्ष पर प्रधानमंत्री का हमला, विपक्ष के उक्त निर्णय की ही प्रतिक्रिया था, तो वह भारी गलती कर रहा होगा। सच्चाई यह है कि मोदी के राज में, जिस प्रकार संविधान के बुनियादी प्रावधानों समेत, तमाम संवैधानिक संस्थाओं व एजेंसियों को, उनकी स्वायत्तता को छीनकर, कार्यपालिका पर पूरी तरह से निर्भर बनाकर छोड़ दिया गया है, उसी समूची प्रक्रिया के हिस्से के तौर पर, संवैधानिक या शासकीय काम-काज और सत्ताधारी राजनीतिक पार्टी के काम-काज के अंतर को, एक प्रकार से मिटा ही दिया गया है। सत्ताधारी राजनीतिक पार्टी के चुनावी हितों के लिए, चुनाव के हरेक चक्र के महीनों पहले से, सरकारी धन से बेशुमार परियोजनाओं आदि का एलान और उनके बहाने से भूमिपूजन/ शिलान्यास/ उद्घाटन के सरकारी कार्यक्रमों में, चुनावी भीड़ें इकठ्ठी कर के, प्रधानमंत्री समेत सभी सरकारी अधिकारियों द्वारा विपक्ष को हमलों का निशाना बनाने की हद तक, सत्ताधारी पार्टी के लिए कमोबेश प्रत्यक्ष रूप से चुनाव प्रचार किया जाना ऐसी कार्यनीति है, जिसे मोदी राज ने बड़ी नंगई से इतना आम बना दिया है कि अब, इसके औचित्य-अनौचित्य पर विपक्ष तक शायद ही कभी चर्चा करता है। इसका ताजातरीन उदाहरण, %संविधान दिवस% के आयोजन से एक दिन पहले ही हुआ, दिल्ली के निकट, नोएडा के अंतर्गत जेवर में प्रस्तावित नये अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का भूमि-पूजन कार्यक्रम था, जिसमें सरकारी आयोजन के नाम पर, सरकारी सुविधाओं के सहारे इकठ्ठी की गई भीड़ों को, मोदी-योगी का डबल इंजन चुनावी संबोधन सुनाया गया था। जाहिर है कि इस राजनीतिक-चुनावी कार्यनीति के हिस्से के तौर पर, मोदी राज द्वारा हर-संभव मौके को सिर्फ अपना ढोल खुद बजाने का ही नहीं, विपक्ष पर हमला करने का भी मौका बनाना, विपक्ष की ओर से बहिष्कार जैसा कोई बहाना दिए जाने का मोहताज नहीं है। बहरहाल, हम संविधान दिवस के प्रसंग पर लौटें। अचरज की बात नहीं है कि मोदी सरकार ने इस आयोजन का प्रारूप ही ऐसा बनाया है, जिसमें विपक्ष के लिए अपनी बात कहने की कोई जगह ही नहीं है। वास्तव में मोदी सरकार के पहले ही वर्ष में, जब इसकी घोषणा की गयी थी कि अब से 26 नवंबर का दिन, जिस दिन संविधान सभा द्वारा संविधान का मसौदा स्वीकार किया गया था, %संविधान दिवस% के रूप में मनाया जाएगा, बहुतों ने इसे प्रधानमंत्री मोदी की ईवेंट-प्रियता से ही जोड़कर देखा था, जिसके चलते वह एक और वार्षिक ईवेंट की शुरूआत कर रहे थे। बेशक, इस सच्चाई का एहसास तो धीरे-धीरे हुआ कि यह तो मोदी की खास प्रचार-राज कार्यनीति ही है कि वह उन्हें जिस चीज की भीतर से हत्या करनी होती है, जिसे नष्ट करना होता है, उसके नाम पर कोई स्मारक/ईवेंट/ तमाशा जरूर चालू करा देते हैं, ताकि हत्या को कम से कम भक्तों की नजर से छुपाया जा सके। संविधान दिवस ठीक ऐसे ही एक मौलिक मोदी ईवेंट का मामला है, जिसका स्वरूप ऐसा है कि उसका सर्वानुमति या कंसेंसस की उस भावना से दूर-दूर तक कुछ लेना-देना ही नहीं है, जो हमारे संविधान की रचना के मूल में रही है। वास्तव में डा. आंबेडकर को संविधान निर्माण में संचालक की भूमिका दिया जाना भी, कंसेंसस की इस भावना की ही अभिव्यक्ति थी। बहरहाल, मोदी के संविधान दिवस के इस आयोजन का अर्थ, विपक्ष द्वारा इस बार इस आयोजन के बहिष्कार और मोदी द्वारा विपक्ष पर हमले तक ही सीमित नहीं है।

कांग्रेस को कमजोर कर बीजेपी से कैसे लड़ेंगी ममता?

गैर बीजेपीवाद की सोच ही अभी मूर्तरूप नहीं ले पाई है तो इसके परवान चढ़ने का प्रश्न कहां उठता है? प्रशांत किशोर का विश्लेषण बिल्कुल सही है कि अगले कई दशक तक बीजेपी कहीं नहीं जा रही है। हालांकि इस विश्लेषण का मतलब उसका सत्ता में बने रहना भी कतई नहीं है। फिर भी इसका मतलब बीजेपी का सत्ता से बाहर हो जाना भी नहीं है। यह बहुत कुछ इस बात पर निर्भर करेगा कि विपक्ष की सियासत कैसी रहती है। कांग्रेस को कमजोर कर क्या देश में वैकल्पिक सियासत खड़ी हो सकती है?- यह सवाल अचानक महत्वपूर्ण हो गया है। अगर इसका जवाब %हां% है तो ममता बनर्जी सही दिशा में कदम उठा रही हैं। और, अगर इसका जवाब %ना% है तो ममता गलत दिशा में जा रही हैं। विपक्ष मजबूत और बड़ा कैसे होगा?- जब देश की सबसे बड़ी पार्टी बीजेपी के जनाधार में सेंध लगेगी, जब बीजेपी से उसके प्रदेश राजनीतिक रूप से छीने जाने लगेंगे। इसके लिए वैचारिक आधार पर और जमीनी स्तर पर एक साथ बीजेपी के समांतर सक्रियता बढ़ाने की जरूरत है। आंदोलन खड़ा करना ही रास्ता है। आंदोलन पैदा करता है विकल्प- आंदोलन क्यों? क्योंकि आंदोलन जोड़ता है, तोड़ता नहीं। आंदोलन ही किसी सरकार को विफल साबित करता आया है। जेपी आंदोलन से इंदिरा सरकार हिली थी तो अन्ना आंदोलन से मनमोहन सरकार। एक से गैरकांग्रेसवाद का युग शुरू हुआ था तो दूसरे ने गैरकांग्रेसवाद को स्थापित कर दिखाया। केजरीवाल सरकार गैरकांग्रेसवाद का बाय प्रोडक्ट कही जा सकती है। अब आगे क्या? गैर बीजेपीवाद का नारा 2019 में परवान नहीं चढ़ पाया और 2024 तक भी ऐसा हो सकेगा, इसके आसार नजर नहीं आते। गैर बीजेपीवाद की सोच ही अभी मूर्तरूप नहीं ले पाई है तो इसके परवान चढ़ने का प्रश्न कहां उठता है? प्रशांत किशोर का विश्लेषण बिल्कुल सही है कि अगले कई दशक तक बीजेपी कहीं नहीं जा रही है। हालांकि इस विश्लेषण का मतलब उसका सत्ता में बने रहना भी कतई नहीं है। फिर भी इसका मतलब बीजेपी का सत्ता से बाहर हो जाना भी नहीं है। यह बहुत कुछ इस बात पर निर्भर करेगा कि विपक्ष की सियासत कैसी रहती है। बंगाल में गैर बीजेपीवाद नहीं गैरकांग्रेसवाद जीता-गैर बीजेपीवाद की सोच क्या पश्चिम बंगाल में परवान चढ़ी थी? जो लोग सियासत को समझते हैं वे जानते हैं कि ऐसा नहीं है। बंगाल में किसकी जीत हुई? सच यह है कि जीत गैरकांग्रेसवाद की हुई। बीजेपी की ताकत तो वास्तव में बढ़ी है। कांग्रेस और लेफ्ट साफ हो गये, जो कभी गैरकांग्रेसवाद से लड़ाई में अक्सर एक-दूसरे के साथ हुआ करते थे। हालांकि ऐसा दिखता जरूर है कि बंगाल में जो चुनाव नतीजे सामने आए वह बीजेपी से लड़ाई के नाम पर ही आए। हास्यास्पद बात यह रही कि खुद कांग्रेस और लेफ्ट गैरकांग्रेसवाद की सियासत का औजार बन गए। अब ममता बनर्जी की दिल्ली यात्राओं के मायने समझें। ममता बनर्जी राष्ट्रीय सियासत में भी उम्मीद कर रही हैं कि कांग्रेस उसी भूमिका में रहे जिस भूमिका में बंगाल में दिखी थी। यानी बकरा बनकर हलाल हो कांग्रेस और उसका मीट बीजेपी से लड़ने वाले योद्धा खाएं। क्या कांग्रेस बंगाल के बाद राष्ट्रीय स्तर पर भी बकरा बनने के लिए तैयार होगी? सोनिया गांधी से ममता बनर्जी की मुलाकात नहीं होने को इसी पृष्ठभूमि में देखे जाने की जरूरत है। ममता ने खीज दिखलाई। फिर भी कांग्रेस ने बुरा नहीं माना तो इसका मतलब यह है कि कांग्रेस के तेवर देश को %कांग्रेसमुक्त भारत% बनाने की कोशिश और विचार से लड़ने की है। बीजेपी के हाथों सियासी रूप से कत्ल होना कांग्रेस को मंजूर है लेकिन वह अपनी ही पैदाइश तृणमूल कांग्रेस के हाथों जबह होने के लिए तैयार नहीं है। तेजस्वी-अखिलेश से सीख ले सकती हैं ममता-ममता बनर्जी को तेजस्वी और अखिलेश यादव से सीख लेनी चाहिए। दोनों दलों की सियासत में बीजेपी के मुकाबले गैरकांग्रेसवाद कभी हावी नहीं रहा। यूपी में पिछला चुनाव अखिलेश की सपा ने कांग्रेस के साथ गठबंधन करके ही हारा था। उसके बाद भी कांग्रेस से दूरी तो बढ़ी लेकिन दुश्मनी हुई हो ऐसा नहीं दिखता। बिहार में तेजस्वी यादव ने नुकसान झेलकर भी कांग्रेस के साथ मजबूत तरीके से चुनाव लड़ा। एक सोच है कि अगर ओवैसी फैक्टर नहीं होता तो तेजस्वी बिहार जीत लेते।

क्या ममता बनर्जी राष्ट्रीय स्तर पर गैरकांग्रेसवाद की सियासत में असदुद्दीन ओवैसी होने जा रही हैंजो दक्षिणपंथी सियासत के लिए %जीवनदान% साबित होंगी? राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस को नुकसान पहुंचाना गैरकांग्रेसवाद को बढ़ावा देना है और ऐसा करके राष्ट्रीय स्तर पर बीजेपी का विकल्प खड़ा नहीं किया जा सकता। आज भी अखिलेश यादव कांग्रेस को बकरा बनाने की नहीं सोचते। तेजस्वी की भावी योजना में गैरकांग्रेसवाद नहीं है। धुर दक्षिणपंथी उद्धव ठाकरे की शिवसेना भी गैरकांग्रेसवाद को खारिज करने वाली सियासत कर रहे हैं। एनसीपी नेता शरद पवार बहुत पहले मान चुके हैं कि कांग्रेस विरोध की सियासत वे भूल चुके हैं और पहले उन्होंने जो कुछ किया वह सही नहीं था। किसान आंदोलन को धार क्यों नहीं देतीं ममता?-ममता बनर्जी राष्ट्रीय राजनीति में सूत्रधार की भूमिका निभा सकती हैं मगर ऐसा कांग्रेस को कमजोर करने की सियासत करते हुए नहीं हो सकता। एक टांग से बंगाल जीतने के बाद दोनों टांगों से देश जीतने की महत्वाकांक्षा सही है। मगर, इस महत्वाकांक्षा को मजबूत करने के लिए ममता को देशव्यापी आंदोलन का नेतृत्व करना होगा। जाहिर है बंगाल से बाहर निकलना होगा। ममता बनर्जी चाहें तो किसान आंदोलन को धार दे सकती हैं। वह चाहें तो महंगाई पर देश में आंदोलन का नेतृत्व कर सकती हैं। वह चाहें तो पेगासस और केंद्र राज्य संबंध जैसे मुद्दों पर भी देश की सियासत को एक-सूत्र में पिरो सकती हैं। इलेक्टोरल बॉन्ड के खिलाफ आवाज बुलंद करके भी वह नई पहल कर सकती हैं। निजीकरण और मजदूर विरोधी नीतियों पर भी ममता मुखर हो सकती हैं। मगर, इन मोर्चों पर वह सक्रिय नहीं हैं। अगर सियासत आंदोलन न होकर जोड़-तोड़ हो तो बीजेपी और बीजेपी का विकल्प बनने की कोशिश करने वाली पार्टी में फर्क ही क्या रह जाता है। सही मायने में देखा जाए तो ममता बनर्जी बीजेपी के बजाय कांग्रेस का विकल्प बनने के लिए अधिक छटपटाती दिख रही हैं। इस मकसद में अगर वह सफल होती हैं तो वह निश्चित रूप से बीजेपी की मदद कर रही हैं जैसे असदुद्दीन ओवैसी को मिलने वाली सफलता से बीजेपी को मदद मिल जाया करती है। न ओवैसी कभी मुसलमानों का नेतृत्व कर पाए हैं और न ही ममता बनर्जी कभी गैर बीजेपीवाद की सियासत का नेतृत्व कर पाएंगी।

क्या किसी महिला किसान नेता को हम जानते हैं?

इसका मतलब यह नहीं कि सरकार किसानी में महिला शक्ति से नावाकिफ है। क्या कुछ ऐसा सर्वे हुआ है, कोई ऐसी लोकल इंटेलीजेंस रिपोर्ट आई है, जिसने 18 घंटे काम करने वाले प्रधानमंत्री मोदी को छह घंटे भी चैन से सोने नहीं दिया है? उन्हें यूपी समेत पांच राज्यों की उन महिला वोटरों की चिंता हो चली है, जो कृषि से जुड़ी हैं। क्रिस्टीन दे पिजां 1364 में वेनिस में जन्मीं, अपने समय की पहली महिला अधिकारवादी लेखिका रही हैं। उनकी पहली कविता अपने दिवंगत पति के लिए थी, %बैलेड्स ऑफ लॉस्ट लब% (गंवा चुके प्यार की गाथागीत)। ओरलियॉन के ड्यूक लुईस प्रथम के दरबार में बतौर लेखिका व कवयित्री नियुक्त हुई थीं क्रिस्टीन दे पिजां, मगर उस जमाने में उनके लिखने के अंदाज ने लोगों को हैरान किया था। 1405 में क्रिस्टीन दे पिजां की एक पुस्तक प्रसिद्ध हुई, %द बुक ऑफ द सिटी ऑफ लेडिज%। इस पुस्तक में मध्ययुगीन यूरोपीय समाज में उन औरतों की दशा उकेरी गई थी, जो सुदूर गांव से शहर तक दैहिक शोषण और दमन का शिकार हुई थीं। पहाड़ की तीन किसान महिला किरदारों ने इससे मुकाबले का बीड़ा उठाया और एक मैदानी इलाके में ऐसा नगर बसाया, जहां एक भी पुरुष की उपस्थिति नहीं थी। क्रिस्टीन दे पिजां ने कहानी उन्हीं अंतर्विरोधों के गिर्द बुनी थी, जो कई सदियों तक यूरोपीय साहित्य जगत के लिए ज़ेरे बहस हुई। कहानी भारतीय संदर्भ में भी बुनी जाती है, मगर जो छूट जाती है, उससे ख़लिश होती है कि इस हिस्से को आधी दुनिया पर लिखने वालों ने छोड़ कैसे दिया? नारी अधिकारवादी लेखिकाओं, पत्रकारों से पूछता हूं, बता दें दो नाम जिन्हें हम महिला आंदोलनकारी नेता के बहैसियत कोट कर सकें? नहीं था नाम उनके पास भी। %भारतीय किसान आंदोलन में महिला लीडरशिप की भूमिका।% ढूंढता रहा कि हिंदी में किसी ने ऐसी किताब लिखी हो। लगभग सन्नाटे की स्थिति है। हिंदी में अंकिता जैन की किताब %ओह रे किसान% वाणी प्रकाशन ने छापी है, जिसमें किसान महिलाओं की समस्याओं व उन्हें दरपेश चुनौतियों की चर्चा की गई है। लेखिका ने कृषि कार्य में लगी विषमताओं की शिकार महिलाओं के बीच जाकर उनके हालात को भी साझा किया है। यह किताब 2020 में आई, और संभवत: तब लिखी गई, जब सिंधु, टिकरी से लेकर गाज़ीपुर बॉर्डर तक किसान आंदोलन का ज़ोर नहीं था। 2011 में नेशनल बुक ट्रस्ट ने एक किताब छापी, % वीमेन फारमर्स इन इंडिया।% मगर इसमें जो सूचनाएं मैत्रेयी कृष्णराज और अरुणा कांची ने एकत्र की थी, वह महिला किसान आंदोलनकारियों पर नहीं है। ऐसी ही एक किताब कविता बालियान की है, %वीमेन पार्टिशिपेशन इन एग्रीकल्चर।% वीएम राव ने लिखी, %डेवलपिंग एग्रो इंटरप्राइजेज़ एमांग फार्म वीमेन%। मई 2020 में मधुरा स्वामिनाथन की दो किताबें आईं, %वीमेन एंड वर्क इन रूरल इंडिया% और %वीमेन इन रूरल प्रोडक्शन सिस्टम%, उससे पहले पी. गिड्डु रेड्डी की %फारमिंग परफॉमेंस ऑफ ऑफ लाइफ ऑफ फार्म वीमेन%, हारून सज्जाद की %चाइल्ड एंड फीमेल वर्कर्स इन एग्रीकल्चर% देखने को मिली। जी. वेलेंटीना की लिखी %एग्रीप्रिनियोरशिप फॉर एमप्लायमेंट एंड एंपावरमेंट ऑफ वीमेन इन रूरल एरियाज%, एक और पुस्तक केपी वासनिक की, %वीमेन इन एग्रीकल्चर% देखने को मिली। इन तमाम किताबों में महिलाओं की कृषि में भागीदारी के बहुतेरे आंकड़े हैं, मगर वो फलक नहीं, जिसकी तलाश मैं कर रहा था। महिला किसान आंदोलनकारियों पर पुस्तक लेखन आप उर्दू तलाशें, वहां तो और बुरा हाल है। इस मौजूं पर किताब ही नहीं दिख रही।

ऐसा क्यों होता है, लेखन में हम किसान भाइयों की चर्चा पूरी शिद्दत से करते हैं, किसान बहनें हाशिये पर चली जाती हैं। आपको खेती-किसानी में प्रेरक महिलाएं मिल जाएंगी, उनकी बाइट्स टीवी पर देखियेगा, गाथाएं रिपोर्ताजों में बहुतेरी मिलेंगी। किसान आंदोलन के दौरान हज़ारों महिला एक्टीविस्ट का हुजूम हम देखते रहे, मगर दिल्ली के विज्ञान भवन में महिला किसान नेताओं को सरकार से बातचीत वाले समूह में बराबर की हिस्सेदारी के रूप में नहीं देखा। इसका मतलब यह नहीं कि सरकार किसानी में महिला शक्ति से नावाकिफ है। क्या कुछ ऐसा सर्वे हुआ है, कोई ऐसी लोकल इंटेलीजेंस रिपोर्ट आई है, जिसने 18 घंटे काम करने वाले प्रधानमंत्री मोदी को छह घंटे भी चैन से सोने नहीं दिया है? उन्हें यूपी समेत पांच राज्यों की उन महिला वोटरों की चिंता हो चली है, जो कृषि से जुड़ी हैं। अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी ने 2012 में एक रिपोर्ट तैयार की थी, जिसमें सूबे में किसानी से जुड़ी 71.18 फीसद महिलाओं का ज़िक्र है। प्रधानमंत्री मोदी के लिए चिंता का विषय यह वोट बैंक है। ऐसा ही महिला किसानों वाला वोट बैंक बिहार में है, जिसने दूसरी बार नीतीश कुमार का बेड़ा पार लगाया था। राष्ट्रीय महिला आयोग ने माना है कि बिहार में कृषि कार्य में 85 फीसद महिलाएं खेत जोतने से लेकर रोपनी, सोहनी, दवनी, उपज की ढुलाई जैसे कार्यों में किसी न किसी रूप में शामिल हैं, मगर उन्हें आधिकारिक रूप से किसान नहीं घोषित किया गया है। महिला किसान अधिकार मंच के बारे में बताते हैं कि यह 120 महिला किसान संगठनों का मंच है। मगर, महिला किसान अधिकार मंच में पदाधिकारी कौन लोग हैं? इसकी जानकारी सार्वजनिक नहीं है। एक नाम मिला कविता करूधंती। बंगलुरू बेस्ड हैं, आशा और महिला किसान अधिकार मंच (मकाम) से जुड़ी हैं। कविता करूधंती ने जानकारी दी कि किसान क़ानून के विरूद्ध आंदोलन में 20 प्रतिशत महिलाओं की भागीदारी रही है, मगर संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) की नौ कोर कमेटी में एक भी महिला सदस्य नहीं थी। केंद्र सरकार से बातचीत के वास्ते किसानों ने 30 सदस्यीय जो डेलीगेट भेजे, उनमें अकेली महिला सदस्य कविता करूधंती ही थीं।

अपने ही मुंह मियां मिट्ठू बन रहे राष्ट्रपति शी चिनफिंग

चीनी कम्युनिस्ट पार्टी यानी सीसीपी ने अपने सौ वर्षों के अस्तित्व में केवल तीसरी बार इतिहास विषय पर एक प्रस्ताव पारित किया। इस प्रस्ताव में राष्ट्रपति शी चिनफिंग को महान हस्ती का दर्जा दिया गया। उनके आदेश का पालन करना प्रत्येक कार्यकर्ता और देशवासी का कर्तव्य घोषित किया गया। इस महत्वपूर्ण दस्तावेज का दो तिहाई हिस्सा शी की उपलब्धियों के गुणगान पर केंद्रित है। इसमें सर्वाधिक 22 बार शी का उल्लेख हुआ है। उनकी तुलना में चीनी कम्युनिस्ट दिग्गज माओ त्से तुंग का 18 बार और देंग शिआओङ्गपग का मात्र छह बार ही उल्लेख है। देंग के बाद और शी से पूर्व के चीनी शासकों का कोई जिक्र तक नहीं। एक तरह से यह प्रस्ताव चीन और कम्युनिस्ट पार्टी के आधुनिक इतिहास को नहीं, बल्कि भविष्य को परिभाषित करने का राजनीतिक उपकरण है।वस्तुत: यह चिनफिंग की संभावित शाश्वत तानाशाही पर मुहर लगाने और उनके निरंकुश शासन को वैधता प्रदान करने की सोची-समझी चाल है। संदेश साफ है कि चीनी इतिहास में माओ और देंग के बाद यह चिनफिंग के युग का उद्घोष है। जो इसे चुनौती देने की जुर्रत करेगा, उसे बर्दाश्त न कर कुचल दिया जाएगा। 2018 में चीनी संविधान का संशोधन करके पहले ही 'शी चिनफिंग सोच' को सबसे ऊंचा दर्जा दिया गया, ताकि उस पर वर्तमान पीढ़ी ही नहीं, बल्कि भावी पीढ़ियां भी सवाल न कर सकें। घोर महत्वाकांक्षी और अहंकारी शी ने स्वयं को चीन का निर्विवाद अधिपति बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। 2012 से आज तक उनकी सभी नीतियां और रणनीतियां शक्ति संकेंद्रण और निजी स्तुति के ध्येय से बनाई गई हैं। सत्ता की अपार भूख और सामाजिक नियंत्रण की असीम चाहत ही उसके प्रोत्साहन ङ्कबदु हैं। चीन के हजारों वर्षों के इतिहास में लोकतांत्रिक शासन का कोई ठोस उदाहरण नहीं है। 1949 में कम्युनिस्ट क्रांति के बाद वहां आततायी तंत्र साम्यवाद और मार्क्सवाद का चोला पहनकर कायम है।

हृदय रोग से रहें दूर, इस तरह रखें अपने दिल का ख्याल

जीवनशैली में बदलाव, मधुमेह, अनियंत्रित ब्लड प्रेशर, मोटापा, व्यायाम से दूरी आदि के कारण हृदय की बीमारियां हो रही हैं। अब काफी संख्या में युवा भी हृदय रोग से पीड़ित हो रहे हैं। हार्ट से जुड़ी बीमारियों को लेकर लोगों को जागरूक करने के लिए हर वर्ष दुनिया भर में सितंबर के आखिरी हफ्ते में वर्ल्ड हार्ट डे मनाया जाता है। 29 सितंबर को वर्ल्ड हार्ट डे है। आजकल की गलत दिनचर्या और हानिकारक खानपान के कारण बहुत से लोग हार्ट के मरीज बन रहे हैं और नतीजा असमय आने वाला हार्ट अटैक है। अगर दिल की बीमारी से बचना है तो जरूरी है कि आप हार्ट अटैक के कारण, लक्षण और बचाव के बारे जरूर जानें।

फास्ट-फूड, जंक फूड का सेवन, शराब का सेवन, अतिरिक्त वसा वाला भोजन करना। इसके साथ ही शारीरिक गतिविधियों में भाग न लेना, जरूरत से ज्यादा तनाव पालना। इन सबका सीधा असर हमारे दिल पर पड़ता है। और दिल की बीमारी हमें घेर लेती है।

कुछ आसान से तरीकों से आप अपने दिल को स्वस्थ रख सकते हैं। यहां जानें उनके बारे में -

संतुलित और पोषक भोजन

आपका कैलरी इनटेक आपकी शारीरिक सक्रियता और मेटाबॉलिज्म के अनुसार होना चाहिए। अपने भोजन में फलों, सलाद, हरी सब्जियों, साबुत अनाज को प्रमुखता से शामिल करें। तेल और घी का सेवन बहुत कम करें। प्रतिदिन 30 ग्राम लहसुन खाएं, क्योंकि यह शरीर में कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करता है और रक्त संचरण को ठीक करता है। मांसाहार, तली हुई चीजें, फास्ट फूड, वसा युक्त दूध और दुग्ध उत्पाद और चीनी का अधिक मात्रा में सेवन हृदय रोगों की आशंका बढ़ा देते हैं। इसलिए इनके सेवन में सावधानी बरतें। एल्कोहल और धूम्रपान से दूर रहें। ज्यादा नमक का सेवन करने से बचें।

व्यायाम और योग रखें निरोग

व्यायाम आपको दिल की बीमारियों के साथ कई तरह के कैंसर से भी बचाता है। दिन में कम से कम 30 मिनट हल्का-फुल्का व्यायाम जरूर करें। कम से कम 30 मिनट टहलें जरूर। इससे न सिर्फ अतिरिक्त वसा जल जाएगी, बल्कि रक्त में कोलेस्ट्रॉल का स्तर भी नियंत्रित रहेगा।

धूम्रपान से करें तौबा

धूम्रपान करने वाले व्यक्तियों में हृदय रोगों की आशंका कई गुना बढ़ जाती है। धूम्रपान धमनियों में रक्त के प्रवाह को बाधित करता है। यह अच्छे कोलेस्ट्रॉल के स्तर को भी कम कर देता है और रक्त कणिकाओं को चिपकने वाला बना देता है, जिससे धमनियों के अंदर रक्त का थक्का बनने की आशंका बढ़ जाती है।

रक्त में शुगर के स्तर को रखें नियंत्रित

अगर आपको डायबिटीज है, तो रक्त में शुगर के स्तर को कड़े नियंत्रण में रखें। याद रखिए, शारीरिक सक्रियता रक्त में अतिरिक्त शुगर को जलाने का सबसे बहतरीन तरीका है। जिन लोगों को डायबिटीज है, उन्हें हृदय रोग होने की आशंका काफी बढ़ जाती है। विशेषकर महिलाओं को ऐसी स्थिति में अधिक सावधानी बरतनी चाहिए।

तनावमुक्त रहें

तनाव के कारण ब्लडप्रेशर और ब्लड कोलेस्ट्रॉल का स्तर बढ़ जाता है। तनाव से बचने के लिए ध्यान करें या कोई हॉबी बना लें, जो आपको तनावमुक्त रखने में सहायता करे।

सही तेल चुनें

भोजन पकाने के लिए सरसों, जैतून या मूंगफली का तेल ठीक रहता है। सोयाबीन का तेल कोलेस्ट्रॉल बढ़ाने वाला होता है। तलने के बाद उस तेल को दोबारा इस्तेमाल न करें, क्योंकि इसमें ट्रांस फैट की मात्रा घातक स्तर तक बढ़ जाती है।

नियंत्रित रखें वजन

हम क्या खाते हैं, उसका सीधा संबंध हमारे वजन से होता है। अपनी उम्र और लंबाई के हिसाब से अपना आदर्श भार पता लगाएं और उस भार को पाने और फिर बनाए रखने का प्रयास करें।

हाई ब्लडप्रेशर से बचें

ब्लडप्रेशर को नियंत्रण में रखना हार्ट अटैक से बचने का एक महत्वपूर्ण तरीका है। ब्लडप्रेशर अधिक होने से हृदय को शरीर में रक्त को धकेलने में अतिरिक्त मेहनत करनी पड़ती है। इससे हृदय का आकार बड़ा हो सकता है और धमनियों में वसा के जमा होने की आशंका बढ़ जाती है।

जानिए आईवीएफ ट्रीटमेंट लेने के दौरान किन चीजों को खाने से पैदा हो सकता है हेल्दी बच्चा

बच्चे की किलकारियां घर के सूनेपन को खत्म करती हैं लेकिन मौजूदा जीवनशैली के कारण महिला और पुरुष दोनों ही इनफर्टिलिटी का शिकार हो रहे हैं। ऐसे में कपल्स को बच्चा पैदा करने में दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। जो कपल्स नैचुरली कंसीव नहीं कर पाते हैं, उनके लिए आईवीएफ की मदद ली जाती है।

आईवीएफ ट्रीटमेंट है वरदान

इनफर्टिलिटी से निपटने के लिए आईवीएफ जैसी तकनीक का उपयोग किया जाता है। यूं तो आईवीएफ तकनीक संतान सुख देने की सौ फीसदी गारंटी मानी जाती है।

इस तकनीक की प्रक्रिया के दौरान यदि महिला अपने खानपान का भी सही ध्यान रखे तो बच्चे के हेल्दी पैदा होने की संभावना बढ़ जाती है। सही और उचित खानपान से आईवीएफ प्रक्रिया को सफल बनाने में मदद मिल सकती है।

आईवीएफ ट्रीटमेंट के दौरान क्या खाएं

हरी पत्तेदारी सब्जियां प्रजनन क्षमता को बढ़ाने के लिए काफी उपयोगी हैं। यह एंटीऑक्सीडेंट, फोलिक एसिड और आयरन का अच्छा स्रोत हैं। आयरन प्रेग्नेंट महिलाओं की बुनियादी जरूरत होती है। आयरन की कमी से एनीमिया हो सकता है जो कि प्रेग्नेंट महिलाओं के लिए काफी घातक है।

एनीमिया के कारण प्री-मैच्योर डिलीवरी हो सकती है जिससे बच्चे का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। इसलिए आईवीएफ ट्रीटमेंट करवा रही महिलाओं को रोज अपने खाने में हरी पत्तेदार सब्जियों को शामिल करना चाहिए।

फोलिक एसिड युक्त सब्जियां

प्रेग्नेंसी में फोलिक एसिड सबसे ज्यादा जरूरी तत्व है। हर गर्भवती महिला को फोलिक एसिड की गोलियां लेनी पड़ती हैं ताकि उनका बच्चा स्वस्थ और तंदरुस्त पैदा हो।

इसकी मदद से बच्चे का विकास बेहतर होता है, उसका मानसिक स्वास्थ्य बेहतर रहता है और इसका स्पाइनल कॉर्ड पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

प्रोटीन युक्त आहार

शरीर में उचित मात्रा में प्रोटीन होना बहुत जरूरी है। यह ओवरी में

मौजूद अंडे के विकास को प्रभावित करता है। जब कोई महिला गर्भधारण की प्रक्रिया से गुजरती है, तो उनके शरीर के लिए प्रोटीन जरूरी होता है।

इससे शरीर को तुरंत एनर्जी मिलती है। खासकर आईवीएफ तकनीक से गर्भधारण करने की प्रक्रिया में महिलाओं को प्रोटीन युक्त आहार को अपनी जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा बना लेना चाहिए। इससे उनमें कमजोरी नहीं आती है।

प्रतिदिन 60 ग्राम प्रोटीन का सेवन जरूर करें। प्रोटीन के लिए आप अपनी डाइट में अंडा, मीट और दुग्ध उत्पाद शामिल करें। ये प्रोटीन के अच्छे स्रोत हैं।

कैसे फल खाएं

आईवीएफ ट्रीटमेंट के दौरान जिंक, विटामिन, मैंगनीज, ओमेगा 3 फैटी एसिड, हेल्दी वसा जैसी चीजें भी जरूरी हैं। इसलिए अपनी डाइट में विभिन्न तरह की सब्जियों और फल को शामिल करें जैसे केला, बंदगोभी, ब्रोकली आदि। इसके साथ ही शरीर में कभी भी पानी की कमी न होने दें।

आईवीएफ ट्रीटमेंट के दौरान क्या न खाएं

कई ऐसी चीजें हैं जिन्हें आईवीएफ ट्रीटमेंट लेने के दौरान नहीं खाना चाहिए, जैसे कि :-

कच्चे अंडे - कच्चे अंडे से कई तरह के प्रोडक्ट बनाए जाते हैं, जिन्हें लोग बहुत चाव से खाते हैं लेकिन आईवीएफ ट्रीटमेंट करवा रही महिलाओं के लिए यह सही नहीं है। इसमें साल्मोनेला नाम का वायरस होता है। इस वायरस के सेवन से फूड प्वाइजनिंग हो सकती है। इसलिए अंडे को पूरी तरह पका कर ही खाएं।

सी-फूड - हालांकि सी-फूड प्रोटीन का अच्छा स्रोत है। इसे काफी मात्रा में पसंद भी किया जाता है। मगर आईवीएफ ट्रीटमेंट से गुजर रही महिलाओं के लिए अधपका सी-फूड खाना सही नहीं है। इसमें मर्करी होती है, जो कि भ्रूण के विकास में बाधा डाल सकती है।

चीज - कुछ खास प्रकार के चीज को इन दिनों नजरंदाज किया जाना बेहतर रहेगा, क्योंकि इनमें बैक्टीरिया होते हैं। ये बैक्टीरियरा संक्रमण की वजह बन सकते हैं।

यहां बताए गए खाद्य पदार्थों के अलावा रिफाइंड शुगर, शराब, कैफीन जैसी चीजों से भी दूरी बनाए रखना जरूरी है।

प्रेग्नेंसी में हल्का-हल्का हो रहा है नाभि में दर्द तो तुरंत कारण जान करें इलाज

कई बार गर्भवती महिलाओं को नाभि में तेज या हल्का दर्द महसूस होता है लेकिन उन्हें इसके कारण के बारे में पता नहीं होता है। गर्भाशय पर दबाव पड़ने के कारण गर्भावस्था में नाभि हो सकता है। जैसे-जैसे भ्रूण का आकार बढ़ता है, महिला के शरीर में अलग-अलग हिस्सों में दबाव बनने लगता है। जैसे प्रेग्नेंसी की पहली तिमाही में पेट पर हल्का दबाव बनता है जबकि दूसरी में गर्भाशय नाभि और स्तन के बीच फैलने लगता है और प्रेग्नेंसी की तीसरी तिमाही में नाभि पर जोर पड़ना शुरु हो जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार भ्रूण के बढ़ते आकार के कारण महिला की नाभि में दर्द, खुजली, बेचैनी जैसी समस्या का सामना करना पड़ सकता है।

खिंचाव की वजह से दर्द

गर्भावस्था के दौरान महिला के शरीर में काफी खिंचाव पड़ता है। खासकर पेट के आस-पास की मांसपेशियों और त्वचा पर। यह खिंचाव भी महिला की नाभि में दर्द का कारण बन सकता है।

गर्भावस्था के दौरान जब गर्भ में हलचल होती है, तब भी नाभि में दर्द की आशंका बन सकती है। यह काफी संवेदनशील है।

हर्निया है कारण

हर्निया भी गर्भवती महिलाओं में नाभि के दर्द का कारण हो सकती है। हालांकि, हर्निया शब्द सुनने में काफी डरावना लगता है। लेकिन हर्निया गर्भवती महिला और भ्रूण को कोई विशेष नुकसान नहीं पहुंचाती है।

गर्भाशय में दबाव के कारण भी हर्निया हो सकता है। जब तक कि कोई गंभीर लक्षण नजर न आए, तब तक डॉक्टर गर्भवती महिला का हर्निया के लिए आपरेशन नहीं करते हैं।

सर्जरी के कारण गर्भवती महिला और गर्भ में पल रहे बच्चे को खतरा हो सकता है। यही कारण है कि गर्भावस्था में इस तरह के रिस्क लेने से बचते हैं।

गर्भावस्था में बहुत चीजें मायने रखती हैं। इनमें से एक है सोने की सही दिशा। यदि आपकी नाभि में दर्द है तो किसी एक दिशा यानी बाएं या दाएं की ओर सोएं। नाभि को सपोर्ट देने के लिए आप तकिए का उपयोग करें।

बाजार में मेटरनल सपोर्ट बेल्ट मौजूद हैं। यह खड़े रहने के दौरान कमर और पेट के दर्द में आराम दिलाता है। यह बेल्ट कुछ महिलाओं के लिए मददगार है। सब महिलाओं को इससे लाभ पहुंचे, यह जरूर नहीं है।

गर्भावस्था के दौरान नाभि में खुजली और जलन बहुत आम होती है। ज्यादातर महिलाएं खुद को रोक नहीं पातीं और खुजली करती रहती हैं।

ऐसा करना सही नहीं है। इससे बच्चे को नुकसान पहुंच सकता है। नाभि में खुजली और जलन को कम करने के लिए लोशन और तेल का इस्तेमाल करें।

नाभि का दर्द दूर करने नुस्खे

आप कोको-बटर लगा सकती हैं। यह त्वचा को नर्म करने और खुजली को कम करने में काम आता है।

नाभि के दर्द से छुटकारा पाने के लिए ढीले कपड़े पहनें। ढीले कपड़े पहनने से खुजली और जलन की आशंका कम हो जाती है। इसके अलावा अच्छे और सूती वाले कपड़े ही पहनें। इन्हें पहनकर आप पूरा दिन सहज महसूस करेंगी।

नाभि में घर्षण होने पर आप टी-ट्री तेल का इस्तेमाल करें।

औषधीय मारिजुआना को 'दवा' के रूप में कानूनी मान्यता देने से हमें क्या फायदा?

ब्रिटेन और न्यूजीलैंड तक एक्सपर्ट्स यह जानने की कोशिश कर रहे हैं कि क्या इन्सानों को दर्द से मुक्ति दिलाने और मानसिक रूप से उन्हें रिलैक्स करने के लिए जंगली घास मारिजुआना (पॉट या गांजा) का प्रयोग किया जा सकता है। इसके फायदे और नुकसान को लेकर बहस छिड़ी है, लेकिन सवाल यह है कि इस बारे में भारत के मेडिकल प्रैक्टिशनर्स क्या कह रहे हैं?

पिछले महीने ओजेए फेस्टिवल ऑफ आयुर्वेद में AYUSH एक्सपर्ट्स ने दवा के रूप में मारिजुआना को कानूनी मान्यता देने की मांग की। AYUSH यानी आयुर्वेद, योगा तथा प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्धा और होम्योपैथी। ये सभी भारत की परंपरागत चिकित्सा पद्धतियां हैं। भारत सरकार ने नवंबर 2014 में AYUSH का गठन किया था। भारत सरकार द्वारा 2017 से हर साल ओजेए फेस्टिवल आयोजित किया जा रहा है।

दर्द से निजात

इस जंगली घास में करीब दो एक्टिव कम्पाउंड होते हैं। वैज्ञानिकों ने इनमें से दो में रुचि दिखाई है: टेट्राहायड्रोकेनाबिनोल (टीएच सी) और केनाबिडिओल (सीबीडी)। टीएच सी के बारे में कहा जाता है कि यह एडिक्टिव है यानी नशे की तरह इसकी लत पड़ती है। वहीं अनुसंधानकर्ताओं ने सीबीडी को मलहम, लोशन और खाने की दवाई के रूप में इस्तेमाल कर लिया है, जिनसे दर्द से मुक्ति में मदद मिलती है।

हार्वर्ड हेल्थ पब्लिशिंग में छपे एक लेख में डॉ. पीटर ग्रिस्पून ने लिखा है कि सीबीडी किसी भी तरह की सर्जरी के बाद होने वाले दर्द में राहत देने जितनी ताकतवर दवा नहीं है, लेकिन यह पीठ दर्द, लगातार होने वाले सिरदर्द, गठिया रोग जैसी बीमारियों के दर्द में आराम पहुंचा सकती है। मारिजुआना में मौजूद सीबीडी से नर्व डिसऑर्डर जैसे मल्टिपल स्क्लेरोसिस के दर्द का इलाज भी हो सकता है।

जलन कम करना

वैज्ञानिकों ने कथित तौर पर 1990 के दशक में मारिजुआना के प्रभाव पर अध्ययन करते हुए शरीर के एनडोकैनाबिनोइड सिस्टम का पता लगाया था। हालांकि वैज्ञानिक पूरी तरह आश्वस्त नहीं हैं कि अभी यह किस तरह काम करता है, लेकिन अध्ययनों में यह पता चला है कि इस जटिल सिस्टम पर सीबीडी का असर होता है और जलन से राहत मिलती है। साथ ही कैंसर के इलाज के बाद होने वाली मतली और उल्टी से भी मुक्ति दिलाता है।

PTSD-संबंधी स्लीप डिसऑर्डर

पोस्ट-ट्रॉमैटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर वह स्थिति है, जिसमें घरेलू हिंसा या रेप जैसे दर्दनाक अनुभवों से गुजर चुके लोग पुरानी यादों में चले जाते हैं और चिंता करते रहते हैं। पी टी एस डी के मरीजों को नींद नहीं आती है। उनकी बुरी यादें सपनों में आकर परेशान करती रहती हैं। अब अनुसंधानकर्ताओं की दलील है कि मारिजुआना के टीएसएच से आरइएम स्लीप (नींद) को कम किया जा सकता है। आरइएम वो स्लीप होती है, जिसमें हम सपने देखते हैं। सपने नहीं आएंगे तो बुरी यादें परेशान नहीं करेंगी। इस तरह लोगों को अपना बीता कल भुलने में मदद मिलती है और रात भर आराम से सो पाते हैं।

हालांकि, टीएसएच का प्रयोग स्मोक करने वालों में नुकसानदायक हो सकता है। एक और मुद्दा यह है कि टीएसएच के उपयोग पर अब तक बहुत ज्यादा प्रयोग नहीं हुए हैं। मारिजुआना कई देशों में प्रतिबंधित है। इसलिए बड़े स्तर पर अध्ययन नहीं हो पा रहा है।

ड्रावेट सिंड्रोम का प्रबंधन

ड्रावेट सिंड्रोम एक तरह की गंभीर मिरगी है, जो नवजात बच्चों को चपेट में लेती है। इसमें बुखार के साथ शरीर जकड़ जाता है। अमेरिका में नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ हेल्थ की वेबसाइट के अनुसार, इसके असर से नवजात का मानसिक विकास रूक जाता है, दो साल की उम्र से बौद्धिक विकास घटना शुरू हो जाती है, भाषा सिखने की क्षमता कम होती है। इस इलाज का मुख्य उद्देश्य शरीर की जकड़न को कम करना और एपिलेप्टिकस की स्थिति को रोकना है। जब मिरगी के मरीज का शरीर बार-बार अकड़ता है और वह होश में नहीं आ पाता है तो इस स्थिति को एपिलेप्टिकस कहा जाता है। अमेरिका में मैसाचुसेट्स जनरल हॉस्पिटल में प्राथमिक दवाओं की प्रैक्टिस करने वाले डॉ. ग्रिनस्पुन के अनुसार, बच्चों में मारिजुआना का दवा के रूप में इस्तेमाल ड्रावेट सिंड्रोम की मिरगी से मुक्ति दिला सकता है। आठ साल पहले शारलोट फिगी नामक छोटी बच्ची इस बीमारी में मारिजुआना के असर की जिंदा मिसाल बन गई थी। इसके इलाज के लिए बनी दवा को शारलोट्स वेब नाम दिया गया है, जिसमें उच्च मात्रा में सीबीडी और निम्न मात्रा में टी एस एच होते हैं। जुलाई 2018 में वॉशिंगटन स्टेट यूनिवर्सिटी में डेवलपमेंट ऑफ इंटेग्रेटिव फिसियोलॉजी एंड न्यूरोसाइंसेस के अनुसंधानकर्ताओं ने लैब में चूहों की भूख बढ़ाने के लिए मारिजुआना की वाष्प का उपयोग किया।

ओमिक्रॉन के डर से नाकाबंदी

ब्रिटेन के बाद अमेरिका, सऊदी अरब और श्रीलंका ने अफ्रीका की फ्लाइट्स बैन की

क्वारैंटाइन नियम भी सख्त

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज वाशिंगटन

दक्षिण अफ्रीका में मिला कोरोना का नया वैरिएंट तेजी से दुनिया में फैल रहा है। हॉन्गकॉन्ग और बोत्सवाना के बाद शुक्रवार को इजराइल और बेल्जियम में भी नए वैरिएंट से संक्रमित लोग मिले हैं। इसके बाद ब्रिटेन, ऑस्ट्रिया, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली और नीदरलैंड ने अफ्रीकी देशों से आनी वाली फ्लाइट्स पर बैन लगा दिया। अब अमेरिका, सऊदी अरब, श्रीलंका, ब्राजील समेत कई देशों ने भी अफ्रीकी देशों की फ्लाइट बैन कर दी है। हालांकि, दक्षिण अफ्रीकी स्वास्थ्य मंत्री ने इन बैन को अनुचित बताया है।

अमेरिका में सोमवार से अफ्रीकी देशों की फ्लाइट बैन

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा कि सोमवार से दक्षिण अफ्रीका, बोत्सवाना, जिम्बाब्वे, नामीबिया, लेसोथो, एस्वातिनी, मोजाम्बिक और मलावी से एयर ट्रैवल रोक कर दिया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिकी प्रशासन अभी भी इस नए वैरिएंट के बारे में जानकारी जुटा रहा है। साथ ही उन्होंने अमेरिकियों और दुनिया के अन्य देशों के लोगों से अपील की कि वे वैक्सीन लगवाएं। वहीं, न्यूयॉर्क गवर्नर कैथी होचुल ने ने राज्य में इमरजेंसी लागू कर दी है।

भारत में अब तक ट्रैवल बैन नहीं

भारत ने अब तक किसी देश की फ्लाइट पर बैन नहीं लगाया है, लेकिन दक्षिण अफ्रीका, ब्राजील, बांग्लादेश, बोत्सवाना, चीन, मॉरिशस, न्यूजीलैंड, जिम्बाब्वे, सिंगापुर, इजरायल, हॉन्गकॉन्ग और ब्रिटेन समेत यूरोप के कुछ देशों से आने वाले यात्रियों को अतिरिक्त सुरक्षा मानकों का पालन करना होगा। मुंबई की मेयर किशोरी पेडनेकर ने शनिवार को बताया कि दक्षिण अफ्रीका से लौटने वाले हर व्यक्ति को मुंबई आने पर क्वारैन्टाइन किया जाएगा। साथ ही उनके सैंपल जीनोम सिक्वेंसिंग के लिए भेजे जाएंगे।

जापान ने सख्त किए नियम

जापान ने अफ्रीकी देशों के यात्रियों के लिए नियमों को कड़ा किया है। 27 नवंबर से इन देशों के यात्रियों के लिए 10 दिनों का क्वारैंटाइन अनिवार्य किया गया है। मिस्र, सिंगापुर मलेशिया, दुबई, सऊदी अरब, जॉर्डन ने भी सातों अफ्रीकी देशों पर ऐसे ही प्रतिबंध लगाए हैं।

यूरोपीय देशों ने अफ्रीकी देश गए पर्यटकों पर लगाया बैन

यूरोपीय देशों ऑस्ट्रिया, फ्रांस, इटली, नीदरलैंड और माल्टा ने उन पर्यटकों पर बैन लगाया है जो पिछले दो हफ्तों में दक्षिण अफ्रीका, लेसोथो, बोत्सवाना, जिम्बाब्वे, मोजाम्बिक, नामिबिया और एस्वातिनी गए थे। जर्मनी ने शुक्रवार रात से दक्षिण अफ्रीका को वायरस वैरिएंट एरिया घोषित कर दिया है। इसका मतलब यह हुआ कि यहां से आनी वाली एयरलाइन्स को सिर्फ इसलिए एंट्री मिलेगी ताकि जर्मन लोग वापस आ सकें।

ऑस्ट्रेलिया बनाएगा सख्त कानून

ऑस्ट्रेलिया के स्वास्थ्य मंत्री ग्रेग हंट ने शनिवार को कहा कि सुरक्षा के लिहाज से नौ अफ्रीकी देशों से सभी फ्लाइट्स को 14 दिनों के लिए बैन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जो शख्स ऑस्ट्रेलिया का नागरिक नहीं है या नागरिकों पर आश्रित नहीं है और पिछले दो हफ्तों में अफ्रीकी देश घूमने गए हैं, वे ऑस्ट्रेलिया में घुस नहीं पाएंगे। इन देशों से आने वाले ऑस्ट्रेलियाई नागरिकों को 14 दिनों तक क्वारैंटाइन होना पड़ेगा।

नोएडा एयरपोर्ट के नाम पर शेयर की बीजिंग एयरपोर्ट की तस्वीर

विपक्ष के बाद अब चीनी पत्रकार ने की आलोचना

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज वाशिंगटन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को यूपी के नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्टकी आधारशिला रखी। इसके बाद कई भाजपा नेता ने जेवर एयरपोर्ट को लेकर फोटो और वीडियो शेयर करना शुरू दिया। जेवर एयरपोर्ट की फोटो वायरल होते ही इस फोटो का सच भी सामने आ गया। जेवर एयरपोर्ट की फोटो को गूगल पर रिवर्स सर्च करते ही इस फोटो का सच पानी की तरह साफ हो गया। कई मीडिया रिपोर्ट्स में पहले ही ये फोटो बीजिंग डैक्सिंग इंटरनेशनल एयरपोर्ट के नाम से मौजूद है। अब चीन के सरकारी वैश्विक टेलीविजन नेटवर्क के अधिकारी शेन शेवेई ने जेवर एयरपोर्ट के नाम से शेयर की गई फोटो का एक कोलाज शेयर किया। शेन ने कोलाज शेयर कर लिखा- यह हैरानी हुई कि भारत सरकार के अधिकारियों ने चीन बीजिंग डैक्सिंग इंटरनेशन एयरपोर्ट की तस्वीरों का इस्तेमाल अपनी उपलब्धियों के तौर पर पेश किया।

विपक्ष बोला- बीजेपी की असली हकीकत फर्जी विकास और फर्जी तस्वीर

सपा नेता और यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने ट्वीट कर लिखा था, भाजपा के झूठे कामों की झूठे काम की हर तस्वीर उधार है, फिर झूठा दावा करने वालों की कैसे सोच ईमानदार है।

जापान के प्रधान मंत्री फुमियो किशिदा, जापान के टोक्यो में जेजीएसडीएफ कैंप असाका में एक समीक्षा के दौरान जापान ग्राउंड सेल्फ-डिफेंस फोर्स (जेजीएसडीएफ) टाइप 10 टैंक पर सवारी करते हैं।

इमरान की बड़ी फजीहत:विजिट के एक महीने बाद भी सऊदी अरब ने कर्ज नहीं दिया, मंत्री बोले- शायद इस हफ्ते मिल जाए पैसा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज इस्लामाबाद

दिवालिया होने की कगार पर खड़े पाकिस्तान का सऊदी अरब ने एक तरह से मजाक बना दिया है। प्रधानमंत्री इमरान खान की सऊदी अरब यात्रा को एक महीने से ज्यादा गुजरा, अब तक वादे के मुताबिक पाकिस्तान को 3 अरब डॉलर कर्ज और 1.2 अरब डॉलर का उधारी पर तेल नहीं मिला। अब इमरान के सूचना मंत्री फवाद चौधरी सोशल मीडिया पर उम्मीद जता रहे हैं कि प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान शायद इस हफ्ते पाकिस्तान को कैश रिजर्व मुहैया करा दें। वैसे रोचक यह भी है कि पाकिस्तान सरकार को इस कैश रिजर्व पर 3.2 फीसदी की दर से सालाना ब्याज भी देना होगा। फौज और सरकार के डर से पाकिस्तान का मेन मीडिया इस मसले पर खुलकर कुछ नहीं बता रहा, लेकिन यूट्यूब पर मौजूद सीनियर जर्नलिस्ट बता रहे हैं कि इस डील में सबकुछ ठीक नहीं है। इसे कुछ पॉइंट्स में समझने की कोशिश करते हैं। इमरान के मुल्क लौटने के 6 दिन बाद सऊदी अरब ने यह ऐलान किया कि वो पाकिस्तान को कुल पांच अरब डॉलर का सशर्त कर्ज दे रहा है। सीनियर जर्नलिस्ट नजम सेठी ने कहा- सऊदी प्रिंस को इमरान से नहीं, आर्मी चीफ से मतलब है।

न्यूज ब्रीफ

11 करोड़ अफगानी शरणार्थी अफगानिस्तान लौटे

काबुल। यूनाइटेड नेशंस की इंटरनेशल ऑर्गनाइजेशन फॉर माइग्रेशन ने एक रिपोर्ट जारी की है । इस रिपोर्ट के मुताबिक, नागरिक दस्तावेजों के अभाव में करीब 11.46 करोड़ अफगानी शरणार्थी ईरान और पाकिस्तान से अफगानिस्तान लौटे हैं। इनमें ईरान से लौटने वाले शरणार्थियों की संख्या सबसे ज्यादा है। खामा प्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, तालिबान के देश पर कब्जा करने के बाद पलायन में बहुत तेजी आई थी। हजारों अफगानी शरणार्थी तुर्की, भारत, यूरोप, इंग्लैंड, अमेरिका और कनाडा सहित बॉर्डर से लगे दूसरे देशों में पहुंचे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि तालिबानी संघर्ष और असुरक्षा के कारण इस साल अफगानिस्तान के 50 लाख से अधिक लोगों ने देश छोड़ा है। इस साल 1 जनवरी से 21 नवंबर के बीच करीब 6.67 लाख लोगों को अपना घर छोड़ कर देश में कहीं और पनाह लेनी पड़ी है। एक दूसरी रिपोर्ट से यह भी पता चला है कि, 15 अगस्त के बाद देश की करीब 95 फीसदी आबादी गरीबी रेखा से नीचे चली गई है। गरीबी बढ़ने के साथ ही अफगानिस्तान की इकोनॉमी भी बुरी तरह से खराब हुई है। तालिबानी कब्जे के बाद यहां की इकोनॉमी में 35 फीसदी की गिरावट आई है।
अफगानिस्तान से लोगों को बाहर निकालने के लिए सिंतबर में पश्चिमी देशों ने अभियान चलाया। इसके बाद यहां से महिला नेताओं, पत्रकारों, वकीलों और जज सहित कई अफगानों को देश छोड़ने में मदद मिली।
तालिबान ने सत्ता संभालने के बाद वादा किया था कि इस बार महिलाओं को इस्लाम की हद में रहकर तमाम अधिकार दिए जाएंगे। हालांकि, अब तक ऐसा हो नहीं रहा है। यूनिवर्सिटी और स्कूलों में महिलाओं के लिए नियम बेहद सख्त हैं।

गुवाहाटी में जीएमसीएच परिसर में राष्ट्रीय पात्रता प्रवेश परीक्षा स्नातकोत्तर (एनईईटी पीजी) काउंसलिंग 2021 और अन्य मुद्दों को स्थगित करने के मद्देनजर जूनियर डॉक्टरों द्वारा बुलाए गए राष्ट्रव्यापी हड़ताल के दौरान गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज अस्पताल (जीएमसीएच) के जूनियर डॉक्टरों ने विरोध प्रदर्शन किया।

भारत आएंगे पुतिन

रूस के राष्ट्रपति 6 दिसंबर को दिल्ली में मोदी से मुलाकात करेंगे

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन 6 दिसंबर को भारत यात्रा पर आ रहे हैं। इसी दौरान दोनों देशों के बीच 21वीं सालाना बैठक भी होगी। भारत और रूस के बीच 2+2 बातचीत की भी तारीखों का ऐलान हो गया है। रूस की एम्बेसी ने इसकी पुष्टि कर दी है। कई दिनों से इस बात के कयास लगाए जा रहे थे कि पुतिन भारत दौरे पर कब आएंगे। हालांकि, दोनों ही देश इस यात्रा के बारे में कुछ भी कहने से बच रहे थे। इसकी वजह यह मानी जा रही थी कि इसी महीने भारत और अमेरिका के बीच अहम बातचीत होनी थी। हालांकि, अब रूस से बातचीत के बारे में औपचारिक घोषणा कर दी गई है।

रक्षा और विदेश मंत्री आएंगे

न्यूज एजेंसी ने रूसी दूतावास के हवाले से पुतिन की यात्रा और 2+2 बातचीत के बारे में जानकारी दी है। इसके मुताबिक, रूस के फॉरेन मिनिस्टर सर्गेई लावरोव और डिफेंस मिनिस्टर सर्गेई शोगुई 6 दिसंबर को भारत आ रहे हैं। इसी दिन पुतिन भी नई दिल्ली पहुंचेंगे। लावरोव और शोगुई दिल्ली में भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात करेंगे। पुतिन दिल्ली में प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात करेंगे।

अहम मुद्दों पर बातचीत होगी

रशियन एम्बेसी ने एक बयान में कहा- 2+2 बातचीत बेहद अहम होने वाली है। इस दौरान क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर बातचीत होगी। माना जा रहा है कि हिंद महासागर, अफगानिस्तान और सीरिया जैसे अहम मुद्दों पर दोनों देशों के बीच सहमति बन सकती है। शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन और रशिया-इंडिया-चाईना के बारे में भी अहम बातचीत हो सकती है। भारत और रूस के बीच ज्यादातर मुद्दों पर सहमति और सहयोग है, लेकिन चीन के मामले में दोनों देशों को और बातचीत की जरूरत है।

रूस को प्रमुखता

जहां तक 2+2 बातचीत का सवाल है तो भारत ने ही इस परंपरा को खास सहयोगी देशों के साथ शुरू किया था। रूस के अलावा सिर्फ तीन देशों के साथ भारत 2+2 बातचीत करता है। ये हैं- अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया। मोदी और पुतिन की बातचीत में डिफेंस और ट्रेड पर भी अहम समझौते हो सकते हैं। इसके अलावा इन्वेस्टमेंट और साइंस एंड टेक्नोलॉजी पर भी दोनों नेता बातचीत कर सकते हैं।

जॉब पाने का इनोवेटिव तरीका

पाकिस्तानी युवक को लंदन में नहीं मिल रहा था काम, स्टेशन पर तख्ती लटकाई और फौरन मिल गई नौकरी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज वाशिंगटन

पाकिस्तानी मूल के युवक को जब लंदन में नौकरी नहीं मिली तो उसने जॉब हासिल करने का इनोवेटिव तरीका ईजाद किया। उसने मेट्रो स्टेशन पर तख्ती लेकर लोगों से जॉब मांगी और आखिरकार उसे नौकरी मिल भी गई। जॉब पाने वाले युवक का नाम हैदर मलिक है। उन्होंने माय लंदन को बताया कि लगातार इंटरव्यू देने के बाद भी नौकरी नहीं मिल रही थी। तब हैदर ने जॉब खोजने का एक अनोखा तरीका निकाला। वह मेट्रो स्टेशन पर एक तख्ती लेकर बैठ गए। इस पर अपनी पूरी प्रोफाइल लिखी थी। इस तरकीब से उन्हें सिर्फ ढाई घंटे में नौकरी मिल गई।

...और काम आ गई तरकीब

मलिक ने बताया कि जब उनके पास नौकरी नहीं थी। वे जॉब के लिए भटक रहे थे। उन्होंने कई जगह अप्लाई किया और ऑनलाइन इंटरव्यू भी दिए, लेकिन उन्हें जॉब मिल ही नहीं रही थी। वे काफी परेशान थे। 2 नवंबर की सुबह वे 7 बजे लंदन के कैनरी व्हार्फ में मेट्रो स्टेशन पहुंचे। वहां उन्होंने एक तख्ती स्टैंड पर लगाई, जिसमें अपनी डिग्री, एक्सपीरियंस का पूरा ब्योरा दिया और साथ ही क्यूआर कोड भी दिया, जिससे कोई भी आसानी से उनका रिज्यूम और लिंक्डइन प्रोफाइल देख सके। मलिक की यह तरकीब काम कर गई। स्टेशन पर आते-जाते वक्त कई लोग रुककर उन्हें देखने लगे। कुछ लोगों को अजीब सा लगा। कुछ हंसते भी नजर आए।

लंदन के युवक ने लिंक्डइन पर पोस्ट की तस्वीर

स्टेशन से गुजरते हुए इमैनुएल नाम के एक शख्स ने मलिक के स्टैंड की फोटो लिंक्डइन पर शेयर कर दी। देखते ही देखते यह वायरल होने लगी और ढाई घंटे के भीतर 9:30 बजे उन्हें कैनरी वार्फ ग्रुप से मलिक को ट्रेजरी एनालिस्ट की नौकरी के लिए फोन आया और इंटरव्यू के लिए बुलाया गया। उस शाम उन्हें नौकरी भी मिल गई। एनामुअल की पोस्ट वायरल होने के बाद मलिक के पास नौकरी के ऑफरों की भरमार हो गई।

हेरात अफ़ग़ानिस्तान में एक दोस्ताना बुज़काशी मैच के दौरान देखते अफ़ग़ान प्रशंसक। बुज़काशी अफगानिस्तान का एक पारंपरिक और राष्ट्रीय खेल है, जहां खिलाड़ी एक बकरी के शव को गोल घेरे में रखने के लिए प्रतिस्पर्धा करते हैं।

न्यूज ब्रीफ

जोकोविच के दम पर सर्बिया ने डेविस कप फाइनल्स में आस्ट्रिया को हराया

इंसब्रक। शीर्ष रैंकिंग वाले नोवाक जोकोविच ने डेविस कप फाइनल्स में सर्बिया को जीत दिलाई जबकि 40 वर्ष के फेलिसियानो लोपेज ने गत चैम्पियन स्पेन को शानदार शुरूआत दिलाई और युवा इतालवी टीम ने 32 बार के चैम्पियन अमेरिका को हराया। जोकोविच ने डेनिस नोवाक को 6.3, 6.2 से मात देकर सर्बिया को मेजबान आस्ट्रिया पर 2.0 से बढत दिलाई। वहीं दुसान लाजोविच ने गेराल्ड मेल्जर को तीन सेटों में हराया। डेविस कप एकल मैचों में जोकोविच का विजय अभियान 15 मैचों का हो गया है। वहीं मैड्रिड में ग्रुप ए के मुकाबले में स्पेन को इक्वाडोर पर बढत मिल गई जब लोपेज ने राबर्टो किरोज को 6.3, 6.3 से मात दी। पाब्लो कारेनो बस्टा ने इसके बाद एमिलियो गोमेज को हराया। लोपेज को एकल मुकाबला इसलिस् खेलना पड़ा क्योंकि कोरोना पॉजिटिव पाए जाने के कारण कार्लोस अलकाराज टीम से बाहर हो गए थे। ग्रुप ई में अमेरिका को इटली ने हराया। लोरेंजो सोनेगो ने रीली ओपेलका को 6.3, 7.6 से मात दी जबकि जानिक सिनेर ने जॉन इसनेर को 6.2, 6.0 से हराया। युगल में राजीव राम और जैक सॉक ने फेबियो फोगनिनी और लोरेंजो मुसेती को हराकर स्कोर 2.1 कर दिया।

इटली और पुर्तगाल विश्व कप प्लेऑफ में एक ही ड्रा में

जिनेवा। कतर में 2022 में होने वाले फुटबॉल विश्व कप में या तो इटली की टीम खेलेगी या क्रिस्टियानो रोनाल्डो की पुर्तगाल टीम। मौजूदा यूरोपीय चैम्पियन इटली और पूर्व चैम्पियन पुर्तगाल को शुक्रवार को निकाले गए प्लेआफ ड्रॉ में एक ही वर्ग में रखा गया है यानी एक का बाहर होना तय है। इटली को मार्च में प्लेऑफ सेमीफाइनल में नॉर्थ मेसेडोनिया से खेलना है इसके विजेता का सामना विश्व कप में जगह बनाने के लिये पुर्तगाल या तुर्की से होगा। चार बार की चैम्पियन इटली 2018 विश्व कप नहीं खेल सकी थी और 1958 के बाद पहली बार क्वालीफाई नहीं कर पाई। अब उसे लगातार दूसरी बार विश्व कप से बाहर होने से बचने के लिए 2016 यूरो चैम्पियन पुर्तगाल को हराना पड़ेगा। इटली के कोच राबर्टो मंचिनी ने कहा कि यह अच्छा ड्रॉ नहीं है और बेहतर हो सकता था। हम पुर्तगाल से खेलने से बचना चाहते थे जैसे वे हमसे खेलना नहीं चाहते होंगे।
रोनाल्डो 2006 के बाद सारे विश्व कप खेले हैं और खिताब जीतने का यह उनके पास आखिरी मौका है। बारह टीमों के ड्रॉ में स्कॉटलैंड का सामना उक्रेन से होगा और विजेता टीम वेल्स या आस्ट्रिया से खेलेगी। रूस का सामना पोलैंड से होगा और फाइनल में स्वीडन या चेक गणराज्य से टक्कर होगी। छह प्लेऑफ सेमीफाइनल 24 मार्च से खेले जाएंगे। तीन फाइनल उसके पांच दिन बाद होंगे। तीन विजेता कतर में 2022 में होने वाले विश्व कप की 32 टीमों में

कपिल देव ने जडेजा के बल्लोजी की तारीफ की : बोले- जडेजा ने अपनी बल्लेबाजी को इंप्रूव किया है, पर गेंदबाजी में नहीं कर पा रहे

नई दिल्ली
1983 में भारत को वनडे वर्ल्ड कप दिलाने वाले भारतीय टीम के कैप्टन कपिल देव ने रविचंद्रन अश्विन और रविंद्र जडेजा को टेस्ट क्रिकेट में अपना पसंदीदा ऑल राउंडर बताया है। शुक्रवार को रॉयल कोलकाता गोल्फ कोर्स में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि अश्विन और रविंद्र जेडजा टेस्ट में दुनिया के बेहतर ऑल राउंडर हैं। उन्होंने कहा, %मैं इन दिनों सिर्फ क्रिकेट देखने और खेल का आनंद लेने जाता हूं। मैं आपके नजरिए से नहीं देखता। मेरा काम खेल का आनंद लेना है। मैं अश्विन को कहूंगा, उन्हें सलाम। जडेजा भी शानदार क्रिकेटर है, लेकिन उसकी बल्लेबाजी बेहतर हुई है तो गेंदबाजी खराब हो गई है। जब भारत को उसकी जरूरत होगी, रन मिलेंगे, लेकिन वह एक गेंदबाज के रूप में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहे हैं।

न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट में जडेजा ने बनाई हाफ सेंचुरी

भारत और न्यूजीलैंड के बीच चल रही पहले टेस्ट मैच में रविंद्र जडेजा ने पहली पारी में शानदार बल्लेबाजी की। उन्होंने 112 गेंदों का सामना कर 50 रन बनाए। हालांकि, उन्हें विकेट लेने में अभी तक सफलता नहीं मिली है। वहीं अश्विन ने 56 गेंदों में 38 रन की पारी खेली और उन्हें गेंदबाजी में भी कामयाबी मिली है। उन्होंने विल विंग का विकेट लेकर टीम को एक सफलता दिलाई।

जडेजा ने पिछले 3 साल में 38 की औसत से बनाए हैं रन

जडेजा ने पिछले 3 सालों में 18 टेस्ट मैच खेले हैं और 38 की औसत से 800 रन बनाए हैं, जो उनके ओवर ऑल औसत से ज्यादा है। अब तक खेले 56 टेस्ट मैचों में उन्होंने 34.05 की औसत से 2145 रन बना हैं। वहीं 56 टेस्ट मैचों में 24.96 की औसत से 227 विकेट लिए हैं।

भारत ने पहली पारी में 345 रन बनाए

कानपुर में जारी भारत और न्यूजीलैंड के बीच पहले टेस्ट के दूसरे दिन टीम इंडिया पहली पारी में 345 रनों पर ऑल आउट हुई। भारत की ओर से सबसे ज्यादा श्रेयस अय्यर ने रन बनाया। उन्होंने 171 गेंदों पर 105 रनों की बेहतरीन पारी खेली। उन्होंने अपनी पारी में 13 चौके और 2 छक्के भी लगाए। इसके अलावा शुभमन गिल ने 93 गेंदों पर 52 रन, अंजिक्य रहाणे ने 63 गेंदों पर 35 और रविंद्र जडेजा ने 112 गेंदों पर 50 रन की पारी खेली।

हैदराबाद विलियम्सन सहित एक भारतीय खिलाड़ी को कर सकता है रिटेन

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली
14 वें सीजन में सनराइजर्स हैदराबाद का प्रदर्शन काफी खराब रहा था। पॉइंट टेबल में टीम आखिरी पायदान पर रही थी। फ्रेंचाइजी ने बीच सेशन में ही कप्तानी का जिम्मा केन विलियम्सन को सौंपा, हालांकि वह टीम को प्ले ऑफ में पहुंचाने में सफल नहीं हो पाए। आईपीएल 2022 के लिए सनराइजर्स हैदराबाद केन विलियम्सन पर भरोसा जता सकती है। सनराइजर्स हैदराबाद के कैंप से आ रही खबरों के मुताबिक विलियम्सन टीम के साथ जुड़े रहने पर राजी हो गए हैं। टीम मैनेजमेंट का उनके साथ अनुबंध हो गया है। खबरों के मुताबिक सनराइजर्स हैदराबाद टी-20 के वर्ल्ड नंबर वन गेंदबाज राशिद खान को रिटेन करना चाहती है, परंतु सैलरी पर बात नहीं बन पा रही है। राशिद खान को वर्तमान में 9 करोड़ रुपये मिलते हैं। फ्रेंचाइजी इसे बढ़ाकर 12 करोड़ रुपये करने को तैयार है, पर राशिद को लगता है कि वह ऑक्शन में जाते हैं, तो उनको ज्यादा कीमत मिल सकती है। इसलिए उन्होंने अभी तक रिटेन के लिए अपनी सहमति नहीं दी है।

उमरान मलिक को कर सकती है रिटेन

हैदराबाद केवल एक भारतीय खिलाड़ी उमरान मलिक को रिटेन कर सकती है। मलिक ने आईपीएल के 14 वें सीजन में डेब्यू किया था। उन्होंने सीजन के सबसे तेज गेंद फेंकी थी। वह अभी साउथ अफ्रीका के दौरे पर हैं और भारतीय ए टीम का हिस्सा हैं। हालांकि, मलिक को फ्रेंचाइजी कितने में जोड़ती है उसका खुलासा अभी नहीं हुआ है।

डेविड वॉर्नर और जॉनी बेयरस्टो को करेगी रिलीज

हैदराबाद ने पूर्व कैप्टन डेविड वॉर्नर और बेयरस्टो को रिलीज करने का फैसला किया है। माना जा रहा था कि टी-20 वर्ल्ड कप में शानदार प्रदर्शन की वजह से वॉर्नर को रिटेन कर सकती है।

30 नवंबर तक रिटेंशन लिस्ट करना होगा जारी

आईपीएल 2022 के रिटेंशन नियमों के मुताबिक पहले से मौजूद आठ टीमों को अधिकतम चार खिलाड़ियों को रिटेन कर सकती हैं। इसके लिए आठ पुरानी टीमों को 30 नवंबर तक खिलाड़ियों के रिटेंशन की लिस्ट जारी करनी होगी। इसके बाद दो नई टीमें लखनऊ और अहमदाबाद 1 से 25 दिसंबर के दौरान तीन-तीन खिलाड़ियों को अपने साथ जोड़ सकती हैं।

खिलाड़ियों को रिटेन करने पर ऐसे कटेगा पैसा

अगर किसी फ्रेंचाइजी ने नीलामी से पहले अधिकतम चार खिलाड़ियों को बरकरार रखा है, तो वेतन पर्स से पहले खिलाड़ी के लिए 16 करोड़, दूसरे के लिए 12 करोड़, तीसरे के लिए 8 करोड़ और चौथे के लिए छह करोड़ रुपए कटेंगे। यदि केवल तीन खिलाड़ियों को बरकरार रखा जाता है तो पहले के लिए 15 करोड़, दूसरे के लिए 11 करोड़ और तीसरे के लिए सात करोड़ रुपए कटेंगे।
दो खिलाड़ियों को रिटेन करने की स्थिति में पहले के लिए 14 और दूसरे के लिए 10 करोड़ रुपए काट लिए जाएंगे। यदि केवल एक खिलाड़ी को रिटेन किया जाता है, तो फ्रेंचाइजी को अपने पर्स से 14 करोड़ रुपये का भुगतान करना होगा.

शानदार शुरुआत के बाद कीवी पारी लड़खड़ाई

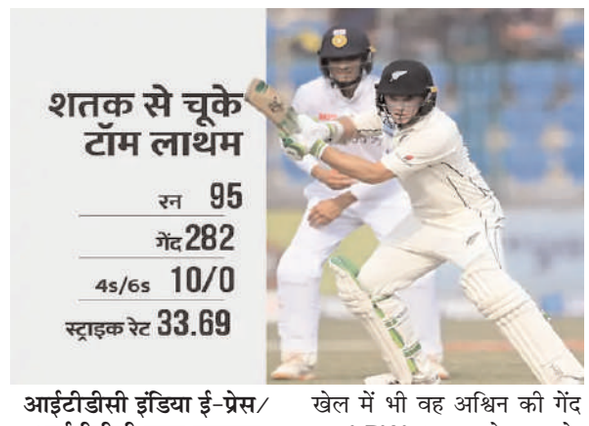

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज कानपुर
कानपुर में जारी भारत और न्यूजीलैंड के बीच आज से पहले टेस्ट के तीसरे दिन का खेल शुरू हो गया है। तीसरे दिन की शुरुआत कीवी टीम ने दूसरे दिन के अपने स्कोर 129/0 के आगे से की और अबतक 118 ओवर तक हुं 6 विकेट के नुकसान पर 249 रन बना चुका है। न्यूजीलैंड फिलहाल भारत से 96 रन पीछे है। टॉम ब्लंडेल 10 और काइल जेमीसन 2 के स्कोर पर नाबाद है। टॉम लाथम 95 रनों की शानदार पारी खेलकर अक्षर पटेल की गेंद पर आउट हुए। उनको विकेटकीपर केएस भरत ने स्टंप आउट किया। मैच के दूसरे दिन के खेल में लाथम को तीन बार DRS पर जीवनदान मिला था और तीसरे दिन के खेल में भी वह अश्विन की गेंद पर LBW आउट हो गए थे, लेकिन अंपायर के गलत फैसले के चलते वह नॉटआउट रहे।

केन-रॉस हुए फेल

लंच से ठीक पहले उमेश यादव ने कीवी कप्तान केन विलियम्सन (18) को LBW आउट कर टीम इंडिया को दूसरी सफलता दिलाई। दूसरे विकेट के लिए केन और लाथम ने 117 गेंदों पर 46 रन जोड़े। हुं का तीसरा विकेट अक्षर पटेल ने रॉस टेलर (11) कर हासिल किया। अक्षर ने अपने अगले ही ओवर में हेनरी निकोल्स (2) को LBW आउट किया। भारतीय टीम को छठी कामयाबी रवींद्र जडेजा ने टेस्ट डेब्यू कर रहे रचिन रवींद्र (13) को बोल्ड कर दिलाई।

विश्व शतरंज का ताज चुनने के लिए आखिरकार विश्व शतरंज चैंपियनशिप दुबई एक्स्पो मे शुरू हो गयी है, विश्व खिताब लगातार पाँचवीं बार जीतने उतरे नॉर्वे के मौजूदा विश्व चैम्पियन मेगनस कार्लसन और उनके चैलेंजर कैंडीडेट विजेता रूस के इयान नेपोमिन्सी के बीच 14 राउंड के टूर्नामेंट का पहला राउंड खेला गया । टॉस जीतकर नेपोमिन्सी नें सफ़ेद मोहरो से खेल की शुरुआत राजा के प्यादे को दो घर चलकर की थी और कार्लसन नें भी इसी चाल से जबाब दिया और जल्द ही खेल एंटी मार्शल राय लोपेज ओपनिंग मे पहुंचा गया जहां कार्लसन नें खेल की आठवीं चाल मे एक प्यादे की कुरबनाइ देते हुए खेल को रोचक बना दिया।

कीवी क्रिकेटर के हैरतअंगेज कैच का

घरेलू टी-20 मैच में बाउंड्री के पास हवा में गुलाटी मारते हुए पकड़ा कैच, फैंस बोले- सुपर, शानदार

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली
न्यूजीलैंड की घरेलू टी-20 लीग में यंग बॉलर नाथन स्मिथ ने हैरतंगेज कैच पकड़ा है। सोशल मीडिया पर इस कैच का वीडियो वायरल हो चुका है। बाउंड्री पर हवा में गुलाटी मारकर पकड़े गए इस कैच को देखकर फैंस कह रहे हैं- शानदार, सुपर, अद्भुत। नाथन ने ये कैच न्यूजीलैंड की सुपर स्मैश डोमेस्टिक टी-20 लीग में पकड़ा। मैच शुक्रवार को कैंटरबरी और वेलिंगटन के बीच चल रहा था।

सुपर कैच की कहानी

वेलिंगटन और केंटबरी लीग का पहला मैच खेल रही थीं। वेलिंगटन की टीम ने पहले बैटिंग करते हुए 177 रन का स्कोर बनाया। इसके बाद केंटबरी की टीम चेज करने उतरी। ओपनर चैट बोज और केन मैकक्लर क्रीज पर थे। वेलिंगटन के हामिश बेनेट पहला ओवर फेंक रहे थे और

स्कोर था महज एक रन।
बेनेट ने मैकक्लर को लेग स्टंप पर एक तेज रफ्तार गेंद डाली,ि जस पर मैकक्लर ने शॉट खेला। मैकक्लर का शॉट फाइनल लेग बाउंड्री के पार जाता दिख रहा था, तभी वहां खड़े स्मिथ ने गेंद पकड़कर बाउंड्री के भीतर फेंक दी और हवा में गुलाटी मारते हुए उसे लपक लिया।

कैच ने बदला मैच

स्मिथ के इस शानदार कैच से फील्डिंग यूनिट में जोश भर गया। 1 रन पर एक विकेट खोने के बाद कैंटरबरी की टीम उबर नहीं पाई और 20 ओवर में 150 रनों पर ऑलआउट हो गई। नाथन स्मिथ ने भी इस मैच में 2 विकेट लिए। नाथन के इस कमाल के कैच ने मैच पलटने में अहम योगदान दिया।

बाउंस के लिए मशहूर हैं नाथन

फास्ट बॉलर नाथन को पिच से बाउंस हासिल करने के लिए जाना जाता है। उन्होंने 33 फर्स्ट क्लास मैचों में 71 विकेट लिए हैं और उनकी इकोनॉमी 2.71 है। वे 3 बार एक मैच में 5 से ज्यादा विकेट ले चुके हैं। 23 टी-20 मुकाबलों में उनके नाम 30 विकेट हैं।

SUPER HERO

यदि आप

किसी भी व्यक्ति को जानते हैं
जिसने, सामाजिक सरोकार में
असाधारण प्रदर्शन किया हो,
वह व्यक्ति आप स्वयं भी हो सकते हैं,
दोनों स्थिति में हमें पूर्ण विवरण, भेजें।

हम देश के असली नायक
SUPER HERO MP 2021
SUPER HERO IND 2021
खोज रहें हैं, उन्हें समाज, राष्ट्र के सामने लाना और
सम्मान दिलवाना, आपका-हमारा संयुक्त प्रयास रहेगा।

Contact: Editorial Desk (Lifestyle),
ITDC News, 9826 220022
Email: responseitdc@gmail.com

PRESS ITDC ITDC NEWS
www.itdcindia.com

न्यूज़ ब्रीफ

सीमेंस की चौथी तिमाही ने किया निराश लेकिन आगे राजस्व वृद्धि की आस

नई दिल्ली। सीमेंस का शेयर गुरुवार को बंबई स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर 5.5 प्रतिशत की गिरावट के साथ 2,152 रुपये प्रति शेयर पर आ गया, क्योंकि मार्जिन पर दबाव के बीच कंपनी की कमाई अनुमानों के अनुरूप नहीं हुई। शुक्रवार को भी इसके शेयर में खासी गिरावट दर्ज हुई और यह 1.48 प्रतिशत गिरकर 2,120 रुपये पर बंद हुआ। अनिकट भविष्य में लागत का दबाव जारी रहने के आसार के बावजूद अधिकांश ब्रोकरेज तटस्थ, खरीद या बेहतर प्रदर्शन की अनुशंसा कर रहे हैं। उनका मानना ??है कि सीमेंस लंबी अवधि में लाभ की दिशा में बढ़ रही है, क्योंकि निजी पूंजीगत व्यय में सुधार हो रहा है, जिसका श्रेय विविधतापूर्ण एंड-मार्केट जोखिम और उत्पाद पोर्टफोलियो को जाता है। एडलवाइस की रिपोर्ट में कहा गया है कि बढ़ते निजी पूंजीगत व्यय और बड़े विनिर्माण की राह के कारण कंपनी की बाजार संभावना में विस्तार हो रहा है। इसके समकक्ष कंपनियों के विपरीत सीमेंस सार्वजनिक बुनियादी ढांचे और नए खंडों से अतिरिक्त लाभ के साथ निजी पूंजीगत व्यय के पुनरुद्धार, दोनो में ही भूमिका निभा रही है। कंपनी ने सितंबर तिमाही में 4,233 करोड़ रुपये का समेकित सकल राजस्व दर्ज किया था, जो सालाना आधार पर 23 प्रतिशत और क्रमिक रूप से 47 प्रतिशत अधिक था। स्मार्ट इन्फ्रास्ट्रक्चर और डिजिटल उद्योगों से राजस्व में सालाना आधार पर खासा इजाफा हुआ है, जबकि आवागमन और ऊर्जा खंड के राजस्व में महत्त्वपूर्ण क्रमिक वृद्धि देखी गई है।

सस्ते में सोना खरीदने का मौका

सोमवार से खुलेगी सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड स्कीम 1 बॉन्ड के लिए चुकाने होंगे 4,791 रुपए

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

सरकार आपको एक बार फिर सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड में निवेश करने का मौका दे रही है। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड स्कीम 2021-22 के तहत 29 नवंबर से 3 दिसंबर तक सोने में निवेश का मौका मिलेगा। इस बार सरकार ने सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड के लिए 4,791 रुपए प्रति ग्राम का भाव तय किया है। ऑनलाइन अप्लाई करने और डिजिटल पेमेंट करने पर प्रति ग्राम 50 रुपए का डिस्काउंट मिलेगा। यानी, आपको 10 ग्राम सोने के लिए 47,410 रुपए देने होंगे।

बाजार से सस्ते में मिल रहा सोने में निवेश का मौका

वायदा बाजार की बात करें तो शुक्रवार को बाजार बंद होने पर स्न्र्ङ्ग पर सोना 47,995 रुपए पर था। यानी सरकार अभी स्न्र्ङ्ग के मुकाबले 585 रुपए प्रति 10 ग्राम सस्ते में सोने में निवेश का मौका दे रही है।

29 नवंबर से 3 दिसंबर तक निवेश का मौका मिलेगा

ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह से निवेश कर सकते हैं

इश्यू प्राइस पर हर साल 2.50% का ब्याज मिलता है

आरबीआई जारी करता है सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड

सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड एक सरकारी बॉन्ड होता है, जिसे आरबीआई की तरफ से जारी किया जाता है। इसे डीमैट के रूप में परिवर्तित कराया जा सकता है। इसका मूल्य सोने के वजन में होता है। यदि बॉन्ड पांच ग्राम सोने का है, तो पांच ग्राम सोने की जितनी कीमत होगी, उतनी ही बॉन्ड की कीमत होगी। इसे खरीदने के लिए सेबी के अधिकृत ब्रोकर को इश्यू प्राइस का भुगतान करना होता है। बॉन्ड को बेचने के बाद पैसा निवेशक के खाते में जमा हो जाता है।

इश्यू प्राइस पर मिलता है 2.50 फीसदी ब्याज

सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड में इश्यू प्राइस पर हर साल 2.50 फीसदी का निश्चित ब्याज मिलता है। यह पैसा हर 6 महीने में आपके खाते में पहुंच जाता है। हालांकि, इस पर स्लैब के हिसाब से टैक्स चुकाना होगा। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड में शुद्धता की चिंता करने की कोई जरूरत नहीं होती है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के मुताबिक गोल्ड बॉन्ड की कीमत इंडियन बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन द्वारा प्रकाशित 24 कैरेट शुद्धता वाले सोने की कीमत से लिंक होती है। इसके साथ ही इसे डीमैट के रूप में रखा जा सकता है, जो काफी सुरक्षित है और उस पर कोई खर्च भी नहीं होता है। सॉवरेन 8 साल के मैच्योरिटी पीरियड के बाद इससे होने वाले लाभ पर कोई टैक्स नहीं लगता। वहीं अगर आप 5 साल बाद अपना पैसा निकालते हैं, तो इससे होने वाले लाभ पर लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन के रूप में 20.80 फीसदी टैक्स लगता है।

ऑफलाइन भी कर सकते हैं निवेश

आरबीआई ने इसमें निवेश के लिए कई तरह के विकल्प दिए हैं। बैंक की शाखाओं, पोस्ट ऑफिस, स्टॉक एक्सचेंज और स्टॉक होल्डिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया के जरिए इसमें निवेश किया जा सकता है। निवेशक को एक आवेदन फॉर्म भरना होगा। इसके बाद आपके अकाउंट से पैसे कट जाएंगे और आपके डीमैट खाते में ये बॉन्ड ट्रांसफर कर दिए जाएंगे। निवेश करने के लिए पैन होना अनिवार्य है।यह बॉन्ड सभी बैंकों, स्टॉक होल्डिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटे मान्यता प्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड के माध्यम से बेचे जाएंगे।

टमाटर की बढ़ती कीमतों से राहत नहीं : दो महीने तक टमाटर के दाम नहीं घटेंगे, रिपोर्ट में ज्यादा बारिश को बताया महंगा होने की वजह

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

सब्जियों की महंगाई अभी थमने वाली नहीं है। क्रिसिल रिसर्च की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि खासतौर पर टमाटर को लेकर अभी 2 महीने और लोगों को महंगाई की मार झेलनी पड़ सकती है। इसकी वजह ज्यादा बारिश बताई जा रही है। हालांकि क्क्रढ्ढ की रिपोर्ट के मुताबिक, केंद्र सरकार ने दिसंबर की शुरुआत में उत्तर भारतीय राज्यों से सब्जियों की सप्लाई शुरू होने से दाम काबू में आ जाने का दावा किया है।

क्रिसिल रिसर्च की रिपोर्ट में सामने आया है कि टमाटर की खेती करने वाले बड़े राज्यों में से एक कर्नाटक में बारिश के कारण स्थिति इतनी खराब है कि वहां भी सब्जियों को महाराष्ट्र के नासिक से मंगाना पड़ रहा है। कर्नाटक में सामान्य से 105 फीसदी ज्यादा बारिश हुई है। वहीं, आंध्रप्रदेश में सामान्य से 40 फीसदी और महाराष्ट्र में 22 फीसदी ज्यादा बारिश हुई है। ये राज्य अक्टूबर से दिसंबर के बीच अब तक टमाटर व अन्य सब्जियों के मेन सप्लायर रहे हैं। क्रिसिल रिसर्च के मुताबिक, 25 नवंबर को कीमतों में 142 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है और यह अगले दो महीने तक बढ़ती रहेंगी। जनवरी में मध्य प्रदेश और राजस्थान से फसल आना शुरू होगी। तब कीमतें नीचे आएंगी। उम्मीद है कि नई फसल आने के बाद टमाटर के रेट में 30 फीसदी की गिरावट आएगी। देश की राजधानी दिल्ली समेत कई शहरों में टमाटर के दाम 70 से 90 रुपए तक पहुंच गए हैं। शादियों के मौसम में मांग बढ़ने के चलते भी फिलहाल इसके भाव कम नहीं होंगे। रिपोर्ट में कहा गया है कि प्याज के मेन सप्लायर महाराष्ट्र में इस बार अगस्त में असमान बारिश के कारण बोआई प्रभावित हुई थी। अब अक्टूबर में ज्यादा बारिश होने से स्टोर की गई प्याज प्रभावित हो गई है।

अक्टूबर में इक्विटी फंडों में निवेश घटा

नई दिल्ली। भारतीय इक्विटी बजारों में उतारचढ़ाव के कारण इक्विटी फंडों में निवेश घटा है। पिछले कुछ महीनों में इक्विटी फंडों में निवेश लगातार घटता हुआ नजर आया है क्योंकि उच्च मूल्यांकन के कारण एकमुश्त निवेश करने वाले निवेश से दूर हैं। उद्योग निकाय एम्फी के आंकड़ों से पता चलता है कि इक्विटी फंडों ने अक्टूबर में 28,671.39 करोड़ रुपये जुटाए जबकि सितंबर में कुल 36,656.66 करोड़ रुपये का निवेश आया था। मौजूदा वित्त वर्ष में इक्विटी फंडों में औसत निवेश 30,817 करोड़ रुपये रहा है। जुलाई से सितंबर के बीच हर महीने 30,000 करोड़ रुपये से ज्यादा का निवेश इक्विटी फंडों में आता रहा है कक्योंकि निवेशकों ने न्यू फंड ऑफर (एनएफओ) के जरिए निवेश करना पसंद किया।

4 नए इलेक्ट्रिक-स्कूटर लॉन्च : सिंगल चार्ज पर 70 से 100किमी तक दौड़ेंगे

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

इलेक्ट्रिक व्हीकल बनाने वाली कंपनी ग्रेटा इलेक्ट्रिक स्कूटर्स ने चार नए ई-स्कूटर लॉन्च किए हैं। इन ई-स्कूटर के नाम इवेस्पा, हार्पर, हार्पर ZX और ग्लाइड है। इनकी कीमत 60,000 रुपए से शुरू होकर 92,000 तक है। ये स्कूटर अलग-अलग इलेक्ट्रिक पावरट्रेन ऑप्शन्स के साथ आते हैं। कंपनी का कहना है कि स्कूटर की रेंज 70 से 100 किलोमीटर होगी। स्कूटर कुल 4 बैटरी वैरिएंट में उपलब्ध होंगे। इनमें 48 वोल्ट से 60 वोल्ट की बैटरी का ऑप्शन मिलेगा। बैटरी में V2 या V3 वैरिएंट को चुनने का ऑप्शन मिलेगा। कंपनी ग्राहकों को 4 अलग-अलग कॉम्बिनेशन में उपलब्ध कराएगी। हर बैटरी कॉम्बिनेशन की अलग-अलग ड्राइविंग रेंज होगी। स्कूटर की बैटरी 4 घंटे में फुल चार्ज हो जाएगी।

ग्रेटा इलेक्ट्रिक स्कूटर्स के मॉडल

इवेस्पा स्कूटर: इसका डिजाइन काफी हद तक वेस्पा लाइन-अप से मिलता जुलता है। इसे रेट्रो लुक दिया गया है। कलर थीम इसे स्टाइलिश बनाती है। स्कूटर में राउंड क्रोम मिरर्स, राउंड हेडलाइट्स, ट्रेडिशनल टच का इस्तेमाल किया गया है।

हार्पर और हार्पर ZX: इसका डिजाइन शार्प है। इसमें हेडलैम्प, इंडीकेटर भी मॉडर्न हैं। जब इसके दोनों मॉडलों के बीच अंतर की बात आती है, तो हार्पर ंङ्ग में एक हेडलैम्प दिया है, जबकि हार्पर में डुअल हेडलैम्प क्लस्टर दिया है। बाकी फीचर्स लगभग एक जैसे हैं।

ग्लाइड: डिजाइन के मामले में ग्लाइड इवेस्पा और हार्पर दोनों मॉडलों के बीच में आता है। हेडलैम्प प्लेसमेंट एप्रन पर है जो इसे एक एडवांस्ड लुक ऑफर करता है। स्कूटर के फ्रंट फेशिया के अलाव, बाकी डिजाइन एलिमेंट काफी कन्वेंशनल हैं।

आईपीओ से फर्मों ने जुटाई रिकॉर्ड नई पूंजी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज मुंबई

नई पीढ़ी की कंपनियों की बड़ी पेशकश के कारण आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिए कंपनियों की तरफ से जुटाई नई पूंजी इस साल रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई। अपनी पेशकश के जरिए भारतीय कंपनी जगत ने 39,524 करोड़ रुपये की रिकॉर्ड नई पूंजी जुटाई। इससे पहले साल 2007 में कंपनियों ने 32,102 करोड़ रुपये की नई पूंजी जुटाई थी। इस साल सबसे ज्यादा नई पूंजी जुटाने वाली कंपनियों में फूड डिलिवरी फर्म जोमैटो (9,000 करोड़ रुपये), पेटीएम की मूल कंपनी वन 97 कम्युनिकेशंस और पीबी फिनटेक (3,750 करोड़ रुपये) शामिल हैं। आईपीओ के जरिए जुटाई गई कुल रकम 1.03 करोड़ रुपये में प्रतिशत के लिहाज से नई पूंजी की हिस्सेदारी 38 फीसदी रही है। यह पिछले पांच साल में जुटाई गई नई पूंजी के प्रतिशत से ज्यादा है। कई साल ऐसे रहे हैं जब जुटाई गई नई पूंजी की हिस्सेदारी किसी खास वर्ष में कुल जुटाई गई रकम का 90 फीसदी से ज्यादा रहा है। 2001 से 2008 के बीच आईपीओ के जरिए जुटाई गई रकम का 80 फीसदी से ज्यादा नई पूंजी के रूप में था। किसी आईपीओ में पूरी तरह से नई पूंजी जुटाई जा सकती है या फिर यह पूरी तरह से ओएफएस हो सकता है या फिर दोनों का मिश्रण। जो कंपनी नई पूंजी जुटाती है वह उसका इस्तेमाल कई काम में कर सकती है। वह मौजूदा कर्ज चुकाने, अधिग्रहण करने या कारोबार का विस्तार करने में उसका इस्तेमाल कर सकती है। साल 2013 से आईपीओ में द्वितीयक बिक्री का वर्चस्व रहा है और प्राइवेट इक्विटी निवेशक इसका इस्तेमाल अपनी हिस्सेदारी बेचने में करते रहे हैं। आर्थिक मंदी ने कंपनियों को ज्यादा पूंजी वाली परियोजनाओं से दूरी बनाने को प्रोत्साहित किया है और नई पूंजी की जरूरत को न्यूनतम करने में भी। जोमैटो के आईपीओ में 9,000 करोड़ रुपये की नई पूंजी जुटाई गई और उसमें 375 करोड़ रुपये का ओएफएस था। पेटीएम के आईपीओ में 8,300 करोड़ रुपये की नई पूंजी और 10,000 करोड़ रुपये का ओएफएस था। जोमैटो की नई पूंजी देसी आईपीओ बाजार की तीसरी सबसे बड़ी पूंजी रही। इससे पहले नई पूंजी के तौर पर सबसे ज्यादा रकम आईपीओ के जरिये साल 2008 में रिलायंस पावर ने 10,123 करोड़ रुपये जुटाए थे।

कोरोना से बाजार बीमार : भारतीय शेयर मार्केट में 7 महीने में दूसरी बार सबसे बड़ी गिरावट

नई दिल्ली। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज के सेंसेक्स में हफ्ते के अंतिम कारोबारी दिन में 2.87 फीसदी या 1,650 पॉइंट्स की गिरावट दर्ज की गई। इसकी मूल वजह कोरोना का नया वैरिएंट बताया जा रहा है। पिछले 7 महीने में बाजार की यह दूसरी बार सबसे बड़ी गिरावट है। 18 अक्टूबर को सेंसेक्स 61,765 पर बंद हुआ था। यह जनवरी में 48 हजार पर बंद हुआ था। 19 अक्टूबर को इसने 62,245 का रिकॉर्ड बनाया था। तब से सेंसेक्स 5 हजार पॉइंट्स या 8 फीसदी गिर चुका है। 30 शेयर्स वाला बीएसई इंडेक्स 57,107 पर बंद हुआ। सेंसेक्स को गिराने में इंडसइंड और मारुति का सबसे ज्यादा योगदान रहा। इंडसइंड बैंक का शेयर 6.01 फीसदी टूटकर बंद हुआ।

PRESS ITDC
ITDC NEWS
www.itdcindia.com

मध्य भारत से विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचारपत्र
आईटीडीसी न्यूज़,

विश्वसनीयता की अपेक्षा पर खरा बनाने के लिए हम निरंतर कार्य कर रहे हैं,
प्रति सप्ताह आप सभी का स्वागत

मेरे लोग, मेरा विधान

इसके तहत हम आप सभी से अनुरोध कर रहे हैं कि
विश्लेषणात्मक रचनाएं, जनसामान्य हित में
नई जानकारियां, लेख, आलेख, टीका, विवेचना, समाचार, रोचक तथ्य,
नए प्रयास, अभिनव प्रयोग के रूप में हमें प्रेषित करें।

आपकी रचना, नाम, चित्र सहित, अधिकाधिक पाठकों तक पहुंचे,
इसके लिए हम, समाचार पत्र में प्रकाशित रचनाओं को,
देश के सभी प्रचलित सोशल मीडिया स्टैंड जैसे फेसबुक, लिंक्डइन, यूट्यूब, जीटॉक, ट्विटर, इंस्टाग्राम
व्हाट्सएप्प एवं हमारे डिजिटल स्टैंड से प्रचार-प्रसार भी देंगे।
(दीर्घ समय तक https://www.itdcindia.com/saga-news.php पर भी उपलब्ध)
जिससे लाभान्वित जनों की संख्या निरंतर बढ़ती रहे।

आप सभी इच्छुकजन अपनी गैरमानदेय,
अप्रकाशित, नवीन, मूल एवं मौलिक रचना, हिन्दी में हमें प्रेषित करें।
(और अंग्रेजी में भेजने पर केवल हमारे डिजिटल स्टैंड पर ही प्रकाशन होगा)
उक्त हेतु, आपका चित्र, नाम, शहर, मोबाइल न, आपकी रचना, मेल करें-ईमेल
itdcnewsmp@gmail.com

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेवलपमेंट सेंटर न्यूज़

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़ के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक राधिका वीरेंद्र, स्वामी- इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर इंडिया ईप्रेस द्वारा साई प्रिंटर्स, 91, जहांगीराबाद, भोपाल से मुद्रित करवाकर, श्री परिसर, 23 पश्चिम निशातपुरा, डीआईजी बंगला, भोपाल से प्रकाशित। संपादक- राधिका वीरेंद्र आरएनआई क्र. MPHIN/2018/77221, 0755-4223334 पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।